# समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• सितम्बर २०२१ • वर्ष ७२ • अंक ०९

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

**१९ सितम्बर २०२१ : बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में पटना-स्थित सम्मेलन भवन में आयोजित सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में पदाधिकारी-सदस्यगण।**

## इस अंक में :


☞ **अध्यक्षीय**
संस्कार बदल सकते हैं हमारा जीवन

☞ **सम्पादकीय :** समाज-सुधार समाज की सर्वोत्तम सेवा

☞ **रपट :** राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक, श्रद्धांजलि सभा, राष्ट्रीय अध्यक्ष का दौरा

☞ **प्रादेशिक समाचार :** झारखंड, बिहार, गुजरात, पूर्वोत्तर, तेलंगाना, उत्कल


## मेधावी-परिश्रमी मारवाड़ी युवक-युवतियाँ:
## सफलताओं के नये क्षितिज पर

**सी.ए. फाईनल परीक्षा २०२१ में मुरैना, मध्यप्रदेश की सुश्री नंदिनी अग्रवाल ने पूरे देश में पहला स्थान प्राप्त किया। उनके भाई श्री सचिन अग्रवाल ने भी सफलता पाई, अट्ठारहवें स्थान पर रहे।**

www.rungtasteel.com
Rungta Mines Limited
Chaibasa
KYONKI
GHAR
HAR ROZ
NAHI BANTA
RUNGTA STEEL 550 D
RUNGTA STEEL®
TMT BAR
EKDUM SOLID!
thumbprint/RS/E/1
STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA - 833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA
Toll Free:
1800 890 5121
E-mail: tmtmkt@rungtamines.com

# समाज विकास

◆ सितम्बर २०२१ ◆ वर्ष ७२ ◆ अंक ०९
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

## अनुक्रमणिका

| शीर्षक | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| ● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया**<br>समाज-सुधार समाज की सर्वोत्तम सेवा है! | ४-५ |
| ● **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया**<br>संस्कार बदल सकते हैं हमारा जीवन | ७ |
| ● **रपट –** | |
| राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक | ८-९ |
| श्रद्धांजलि सभा | १० |
| उपलब्धि | ११ |
| राष्ट्रीय अध्यक्ष का दौरा | १२ |
| ● प्रादेशिक समाचार | १५-२१ |
| ● **आलेख : भानीराम सुरेका**<br>नई पहल हो नयी चेतना | २२ |
| ● **देव-स्तुति : डॉ. जुगल किशोर सर्राफ** | २३ |
| ● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत | २४-३० |

**स्वत्वाधिकारी**

**अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन**
**All India Marwari Federation**

**प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय** : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
**फोन : ०३३-४००४ ४०८९**

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

**◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

## श्रद्धांजलि!

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य एवं सुप्रसिद्ध उद्योगपति-समाजसेवी श्री श्याम सुन्दर फोगला का गत १४ सितम्बर २०२१ को वैकुण्ठवास हो गया।

स्व. श्याम सुन्दर जी एक लम्बे समय से सम्मेलन से जुड़े हुए थे और सम्मेलन के कार्यक्रमों में उनका मार्गदर्शन एवं सहयोग सदैव प्राप्त होता था। दानवीर श्याम सुन्दर जी का परलोकगमन सम्मेलन एवं समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार की विनम्र-कृतज्ञ पुष्पांजलि!

**अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन**
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

**समाज से सादर निवेदन**

**वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।**

**प्री-वेडिंग शूट**
**हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।**

**समाजहित में इनसे परहेज करें।**

**निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।**

**सम्पादकीय**

# समाज-सुधार समाज की सर्वोत्तम सेवा है!

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना सन् १९३५ में एक विशेष परिस्थितिवश हुई था। मारवाड़ी समाज को जब मताधिकार से वंचित करने की बात आई तो समाज के तत्कालीन अग्रजों एवं हमारे पूर्वजों ने सम्मेलन का गठन किया एवं समाज का प्रतिनिधित्व कर अपने अधिकारों की रक्षा करने में सफल हुए। इस प्रकार हम समझ सकते हैं कि सम्मेलन की स्थापना समाज की प्रतिनिधि संस्था के रूप में हुई थी। समाज की सेवा संस्थाएँ उस समय में भी अनेक थी। स्थापना के कुछ वर्षों पश्चात् स्वर्गीय बृजलाल जी बियाणी के नेतृत्व में सम्मेलन ने समाज में व्याप्त कुरीतियों से समाज को मुक्त करने का आह्वान किया। तब से लगातार सम्मेलन ने समाज सुधार के कार्यों में अपनी अग्रणी भूमिका निभाई है। सम्मेलन के प्रयासों से बाल-विवाह, पर्दाप्रथा आदि रोकने में एवं कन्या शिक्षा एवं विधवा विवाह को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय सफलता मिली। यह कार्य देश के अनेक भागों में सफलता के साथ अंजाम दिया गया। उत्साहवर्धक बात यह थी कि धारा के विरुद्ध पर सुधार के प्रति प्रतिबद्ध लोगों, जिन्हें सुधारवादी के रूप में जाना जाने लगा, ने दूरदर्शी की भूमिका निभाते हुए अनेक प्रकार के विघ्न-बाधाओं के बावजूद समर्पित भाव से समाज सुधार कार्यक्रम में भाग लिया। कुछ वर्षों पहले तक समाज की छवि सूदखोर, मतलबी एवं कंजूस के रूप में अनेक जगह चित्रित की जाती रही। सिनेमा, साहित्य में इस तरह की उल्लेख बराबर आते रहे। मारवाड़ी समाज के लिए यह प्रसिद्ध है कि जहाँ न पहुँचे बैलगाड़ी, वहाँ पहुँचे मारवाड़ी। इस प्रकार मारवाड़ी देश के कोने-कोने में फैल गए। अपनी बुद्धि, श्रम, मितव्ययिता, लगन एवं ईमानदारी आदि के बदौलत जहाँ भी गए, वहाँ अपनी रोजी-रोटी की व्यवस्था करने में सफल रहे। इस कारण स्थानीय लोगों की नजरों में चुभने लगे। इस प्रकार देश के कई भागों में समाजबंधुओं के प्रति दुर्भावना फैलाई जाने लगी। साथ-साथ कई जगह सामूहिक तरीके से उनके जानमाल को हानि पहुँचाने की कोशिश की गई। समाजबंधु असुरक्षा की भावना से ग्रस्त हो गए। ऐसी परिस्थिति में कई स्थानों में सम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल ने प्रभावित इलाकों का दौरा करके समाज के प्रति किए जा रहे अन्याय का शांतिपूर्ण प्रतिकार करने एवं समाजबंधुओ को राहत पहुँचाने का कार्य किया। इस प्रकार हम समझ सकते है कि सम्मेलन की भूमिका एवं प्रासंगिकता का महत्व अन्य संस्थाओं से भिन्न है। ऐसे कई मौके आए जब समाज एवं समाजबंधुओं की गरिमा की रक्षा करने का कार्य सम्मेलन ने बखूबी निभाया।

वर्तमान परिपेक्ष्य में कई बार कहीं-कहीं कुछ स्वर उठते हैं कि सम्मेलन को सेवाकार्यों की ओर ध्यान देना चाहिए। समाज सुधार और सेवा कार्य को एक-दूसरे के सामने खड़ा करने की कोशिश की जाती है। दोनों को तराजू में तोला जाता है। कभी-कभी तो यहाँ तक कहा जाता है कि सेवा कार्य के बिना समाजबंधु सम्मेलन की ओर आकर्षित नहीं होंगे। इस विषय में गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। सर्वप्रथम तो हमें यह समझना होगा कि सभी सम्मेलन को प्रवासी समाज की एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था के रूप में जानते हैं। इस संबंध में यह तो स्वीकार करना होगा कि देश में सेवा कार्य करने वाली समाज की अनेक संस्थाएँ संलग्न हैं। सम्मेलन उनकी तुलना में नगण्य सेवा कार्य कर रहा है। ना ही निकट भविष्य में उनके बराबर सेवा कार्य करने की कोई ऐसी योजना है। जब हम सेवा-संस्था के रूप में अपने को परिवर्तित करना चाहते हैं तो एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था के गौरव से हमें वंचित होना पड़ेगा। इस संदर्भ में अगर यह कहा जाए कि समाज सुधार भी अंततोगत्वा समाज सेवा ही है तो गलत नहीं होगा। समाज को स्वस्थ एवं विकासशील पथ पर अग्रसर करने का काम विरलों का ही है। इस कार्य में कोई प्रतिद्वंदिता भी नहीं है क्योंकि यह कष्टसाध्य, समय-सापेक्ष कार्य है। इतिहास गवाह है कि समाज सुधार एक निरंतर प्रक्रिया है। समाज के बौद्धिक वर्ग इसका नेतृत्व करते आये हैं। बदलती परिस्थितियों में समाज में बदलाव की आवश्यकता होती रहती है। कभी-कभी समाज का एक वर्ग समाज के नियमों एवं मर्यादाओं का अपनी अहम्तुष्टि या अन्य किन्हीं कारणों से उल्लंघन करने लगता है; कभी समाज या सभ्यता के सोच से प्रभावित होकर हानिकारक आदतों एवं आचरणों को अपनाने लगता है जो हमारे समाज के संस्कार एवं संस्कृति के बुनियादी ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने की क्षमता रखते हैं। हम यह जानते हैं कि आज विश्व एक 'ग्लोबल विलेज' है क्योंकि संचार एवं यातायात के साधनों की भरमार हो गई है। ऐसी स्थिति में अपनी मर्यादाओं का रख-रखाव करना तलवार की धार पर चलने के बराबर है। ऐसा नहीं है कि समाज सुधार में सफलता मिलने के बाद अब समाज में कोई विकृति या विसंगति नहीं है। हमें अगर किसी की नकल ही करनी है तो उस समाज

की करनी चाहिए जहाँ मर्यादा की लक्ष्मण रेखा का पालन हो रहा है। किंतु आज यह देखा जा रहा है कि हम दूसरों की अंधाधुंध नकल करने में लगे हुए हैं। साथ ही साथ हमारे सोच में हानिकारक बदलाव आया है, जिसकी अनुभूति आज नहीं हो रही है। इसी तरह की परिस्थिति में समाज का बौद्धिक वर्ग दूरद्रष्टा की भूमिका निभाते हुए समाज में हो रहे हानिकारक परिवर्तनों को भांप लेते हैं, जिनका समाधान जल्द से जल्द आवश्यक है। आज भी समाज में अनेक समस्याएं पनप गई हैं। उनमें से कुछ प्रमुख हैः सगाई-विवाह में दिखावा एवं फिजूलखर्च, बारातियों एवं आमंत्रितों की संख्या, शादी दिन में रखने की आवश्यकता, हमारे खानपान एवं स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता, नशाबंदी पर ध्यान, घर में बुजुर्गों की अवहेलना, वैवाहिक-धार्मिक-सामाजिक आयोजनों में आडंबर-दिखावा, वैवाहिक मद्यपान का बढ़ता प्रचलन, दांपत्य संबंधों में कटुता एवं बढ़ते तलाक, प्री-वेडिंग शूटिंग, धन का बढ़ता प्रभाव, युवक-युवतियों के विवाह की बढ़ती उम्र, समाज की राजनीतिक जागरूकता एवं भागीदारी, व्यवसाय में साख, राजस्थानी भाषा का लगातार कम होता उपयोग। इस प्रकार हम देख सकते हैं कि इन बातों पर सरसरी तौर पर नजर डालें तो पायेंगे कि यह समस्याएँ पूरे समाज में दीमक की तरह कार्य कर रही हैं। इन विकृतियों एवं विसंगतियों की क्षमता को कम आँकना आत्मघाती साबित होगा। पारिवारिक रिश्तो की नींव हिल रही है। आज की पीढ़ी की विवाह की उम्र बढ़ती जा रही है, इससे भावी पीढ़ी पर जो असर होगा उसका आकलन करने से सिहरन पैदा होती है। क्या हम आर्थिक प्रगति, अहंतुष्टि या स्वेच्छाचार की बलिवेदी पर पूरे समाज को निछावर होते हुए देखते रहेंगे। समस्याएँ मुँह बाए खड़ी हैं। इन विषयों पर गंभीर चिंतन-मनन की आवश्यकता है। आज की युवा पीढ़ी अपेक्षाकृत अधिक शिक्षित है। सही तरीके से समस्याओं को रखने से यथोचित फल मिलने की पूरी संभावना है, इस आस्था एवं विश्वास के साथ हमें आगे बढ़ना चाहिए। जिन मुद्दों का उल्लेख किया गया है उनमें से कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे तो वर्तमान कोरोना वायरस के दौरान स्वतः ही सुलझ गए हैं। सगाई-विवाह में दिखावा एवं फिजूलखर्ची, बारातियों एवं आमत्रिंतों की संख्या ५० या १ सौ के भीतर रहती है। विवाह दिन में भी हो रहे हैं। खानपान एवं स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ रही हैं, जंक फूड एवं हानिकारक पदार्थों से बचने की कोशिश की जा रही है। प्री-वेडिंग शूट आदि में भी कमी आई है। विवाह आदि में महंगे कार्ड की जगह ई-कार्ड का चलन होता जा रहा है। धार्मिक अनुष्ठानों के नाम पर जो करोड़ों रुपयों का खर्च किया जा रहा था, वह भी अभी बंद है। इस प्रकार हम देख रहे हैं कि यह महामारी एक समाजसुधारक के रूप में कार्य कर रही है। जिन बातों को अपनाने से समाज में सुधार आने वाला है, उनमें से कुछ परिस्थितियोंवश स्वतः ही अपनाने के लिए बाध्य हैं। खास बात यह है कि इस समय जो भी सामाजिक समारोह हो रहे हैं, सब सुचारु ढंग से हो रहे हैं। कहीं कोई असुविधा नहीं है मानसिकता के अतिरिक्त। अतएव समाज को यह सोचना होगा कि शादी-विवाह, धार्मिक या अन्य कोई सामाजिक समारोह के नाम पर जो आडंबर दिखावा किया जाता है वह अनावश्यक है। उसके बिना भी सब कुछ गरिमामय ढंग से संभव है। पहले इस प्रकार के समारोह में अधिक से अधिक लोगों को निमंत्रित करने का सिलसिला चल रहा था। भोजन के टेबल पर भारी भीड़ के मध्य अपने काम को अंजाम देना किसी कलाकारी से कम नहीं था। साथ ही सोचे तो इस प्रकार का भोजन जिसमें जूठन पड़ जाता है सब प्रकार से वर्जित है।

यह कोरोना महामारी एक न एक दिन समाप्त होगी। अतः इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता या यूँ कहें कि इसकी प्रबल संभावना है कि इस महामारी के समाप्त होते ही दिखावा एवं आडंबर फिर एक बार अपनी पुरानी रवानी पर आ जायेंगे। अतः समाजबंधुओं के समक्ष प्रश्न है कि वर्तमान अवसर का लाभ किस प्रकार उठाया जा सकता है। समारोह आज जिस प्रकार से सादगीपूर्ण ढंग से संपन्न हो रहे हैं, उन्हें महामारी के समाप्त होने के बाद भी किस प्रकार प्रभावी रखा जाए। इस विषय में गहन चर्चा की आवश्यकता है। इस कार्य में सफलता समाज की सर्वोत्तम सेवा होगी। समाज सुधार एवं समाज सेवा में कोई विरोधाभास नहीं है। सम्मेलन का संगठन अखिल भारतवर्षीय स्वरूप पा रहा है। संगठन में आई मजबूती से समाज को लाभ मिलेगा। समाज की एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था के रूप में हम सदैव कार्य करते आए हैं। आज स्थिति यह है कि देश के किसी कोने में उठे समाजबंधुओं की एक आवाज के साथ पूरे देश के समाजबंधुओं की आवाज जोड़ने में सम्मेलन सक्षम हैं। समाज को आंतरिक एवं बाह्य समस्याओं के प्रति सचेत करने का हमारा पवित्र दायित्व है। किसी भी प्रकार की राजनीतिक-सामाजिक परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए हमें प्रस्तुत रहना है। तभी समाज के प्रत्येक नागरिक के मन में भावना जागृत होगी कि सम्मेलन हमारे साथ खड़ा है। यह अपने आप में एक महती कार्य है। प्रतिनिधि संस्था समाज को दिशा प्रदान करती है। कोई भी समझदार व्यक्ति सेवाकार्यों के महत्व को कम करके आँकने को भूल नही करेगा। सम्मेलन कई क्षेत्रों में सेवाकार्यों द्वारा भी अपनी भूमिका निभा रहा है।

शिवकुमार लोहिया

**शिव कुमार लोहिया**

# सम्मान समारोह में सम्मेलन से जुड़ी मातृशक्ति

*१२ सितम्बर २०२१: झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की पश्चिमी सिंहभूम एवं चाईबासा शाखाओं द्वारा चाईबासा में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसका विधिवत उद्घाटन प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल ने किया। उल्लेखनीय है कि समारोह के दौरान स्थानीय २३ महिलाओं ने एक साथ सम्मेलन की सदस्यता ग्रहण की।*

---

*५ सितम्बर २०२१ को झारखण्ड प्रान्तीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल एवं पदाधिकारियों ने रामगढ़ शाखा का दौरा किया। संगठन-विस्तार के साथ-साथ शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में जिले के चयनित शिक्षकों को सम्मानित किया गया।*

---

*संगठन-विस्तार हेतु पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन क अध्यक्ष श्री अशोक मोदी ने प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री अशोक भलोटिया एवं श्री उमेश शाह तथा निवर्तमान अध्यक्ष श्री निर्मल काबरा के साथ चकुलिया का दौरा कर वहाँ नई शाखा का गठन किया। आजीवन सदस्यों के अतिरिक्त सात नए विशिष्ट संरक्षक सदस्य भी बनाये।*

# संस्कार बदल सकते हैं हमारा जीवन

**– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया**

स्नेही-सुधी समाजबंधु,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के बृहत्तर परिवार के सभी सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य, मन की प्रसन्नता और सुसम्पन्नता की अशेष मंगलकामनाये! इन कठिन परिस्थितियों में आप सभी सुरक्षित बने रहें, यही परम पिता से प्रार्थना है!

गत २९ सितम्बर २०२१ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक पटना में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में, वर्चुअल के साथ-साथ फिजीकल तौर पर भी, आयोजित की गई। कोरोना-प्रकोप के बाद, किसी राष्ट्रीय समिति की, किसी प्रादेशिक शाखा के आतिथ्य में आयोजित यह पहली बैठक थी। बिहार सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री महेश जालान** के नेतृत्व में उनकी पूरी टीम द्वारा पूरी व्यवस्था विधिवत की गई। **उनके कुशल आतिथ्य एवं सुप्रबंधन के विषय में जो कुछ भी कहा जाए, कम होगा। मैं केन्द्रीय सम्मेलन के ओर से बिहार सम्मेलन की पूरी टीम का आधार निवेदित करता हूँ!**

कहते हैं कि व्यक्ति से समाज बनता है और समाज से राष्ट्र का निर्माण होता है। जिस प्रकार व्यक्ति का समाज पर प्रभाव पड़ता है, उसी प्रकार समाज का राष्ट्र पर प्रभाव पड़ता है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण एवं उन्नति में उस राष्ट्र के नागरिकों एवं विभिन्न सामाजिक वर्गो की महत्वपूर्ण भूमिका होती है – 'व्यष्टि' के रूप में नागरिक की और 'समष्टि' के रूप में सामाजिक वर्ग की। अतः व्यक्ति का निर्माण, बल्कि यूँ कहें कि हमारे व्यक्तित्व का निर्माण, राष्ट्र के निर्माण के मूल में है।

यह एक सर्वमान्य तथ्य है कि किसी व्यक्ति-विशेष का व्यक्तित्व उसके संस्कारों पर निर्भर है। अगर भाषा के दृष्टिकोण से देखें तो 'संस्कार' शब्द का मूल अर्थ है – शुद्धिकरण। **हमारी सनातन परम्परा में मूलतः संस्कारों का अभिप्राय उन धार्मिक कृत्यों से था जो किसी व्यक्ति को अपने समुदाय के लिए उपयुक्त बनाने के उद्देश्य से उसके शरीर, मन और मस्तिष्क को पवित्र करने के लिए किए जाते थे। साथ ही, हमारे संस्कारों का उद्देश्य व्यक्ति में अभीष्ट गुणों को जन्म देना भी था।** प्राचीनकाल में यह महान दायित्व कुटुम्बियों के साथ-साथ संत, पुरोहित और परिव्राजकों का था। वे नवपीढ़ियों को सोलह-सोलह अग्निपरीक्षाओं से गुजार कर खरे सोने जैसे व्यक्तित्व में ढालते थे और इस पद्धति को 'संस्कार परम्परा' कहते हैं। **जिस प्रकार अभ्रक, लोहा, सोना, पारस जैसी सर्वथा विषैली धातुएँ शोधन के बाद अमृततुल्य औषधियाँ हो जाती हैं, उसी प्रकार मानव को भी संस्कारों की भट्ठी में तपाकर एक प्रतिभासम्पन्न, समाजोपयोगी व्यक्तित्व में ढाला जाता था। यह क्रम एक लम्बी अवधि तक चलता रहा और उसी के फलस्वरूप भारतवर्ष की स्थिति 'स्वर्गादपि गरीयसी' की बनी रही।**

आज धार्मिक–सामाजिक–वैवाहिक आयोजनों में दिखावा और फिजूलखर्ची, नशे की बढ़ती प्रकृति, धन का बढ़ता प्रभाव, बुजुर्गों का घटना सम्मान, दाम्पत्य संबंधों में कटुता और बढ़ते तलाक, व्यवसायिक क्षेत्र में घटती साख, प्री-वेडिंग शूट जैसी नई पनपती कुरीतियाँ, राजनैतिक जागरूकता और सक्रियता की कमी, अपनी मातृभाषा का घटता उपयोग, जैसी कई समस्याएँ हमारे समाज के समक्ष हैं और यह प्रश्न कि इस इनसे कैसे निपटें, सुरसा की तरह मुँह बाये हमारे सामने खड़ा है।

इन समस्याओं, विसंगतियों का समाधान करने कि लिए जो समयोचित समाधान हमें उपलब्ध हैं, उनमें प्रथम स्थान पर है – संस्कारों का पुनर्जागरण। अगर हम अपना आचरण अपने संस्कारों, सभ्यता, संस्कृति, परम्पराओं के अनुरूप करेंगे तो इनमें से अधिकतर समस्याएँ यूँ विलुप्त हो जायेंगी जैसी सूर्योदय होने पर अंधकार। **संस्कारों में हमारे जीवन-पद्धति को बदल देने की और उसके सुपरिणामस्वरूप अपने जीवन को और साथ ही साथ समाज को भी बेहतर बनाने की शक्ति है।**

यहाँ यह कहना सर्वथा प्रासंगिक होगा कि इस आमूल-चूल सामाजिक परिवर्तन में उपदेशों की भूमिका अत्यंत सीमित है, बोध कराने तक ही। जैसा पहले कहा गया, व्यक्ति से समाज का और समाज से राष्ट्र का निर्माण होता है, इस परिवर्तन हेतु स्वयं के स्तर से ही शुरूआत करनी होगी और तब क्रमशः नजदीकी परिवार, सम्बंधी, आदि, से बढ़ते हुए समाज तक पहुँचने का मार्ग प्रशस्त होगा। **एक संस्कारवान व्यक्ति अपने परिवार, समाज और पूरे देश के लिए भी प्रेरणास्रोत की भूमिका निभा सकता है और इसके अनगिनत उदाहरण हमारे मनीषियों के रूप में हमारे समक्ष हैं।**

कठिन परिस्थितियाँ भी कई बार शिक्षास्रोत की भूमिका निभाती हैं, एक सटीक उदाहरण कोरोनाकाल का होगा। कोरोना ने हमारे देशसहित पूरे विश्व में उथल-पुथल मचाया और हमारे जीवन को भयावह रूप से प्रभावित किया। तथापि, इसकी एक अत्यंत सकारात्मक भूमिका भी रही। सारे आयोजनों में लोगों की संख्या सीमित होने लगी, हम अपने स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति जाग्रत हुए। **कोई कारण नहीं कि हम इन कुछ प्रतिबंधों का पालन जारी न रखकर अपने पुराने ढर्रे पर लौटें। हमें कोरोनाकाल की इस शिक्षा को अपने जीवनपद्धति का हिस्सा बना लेना चाहिए।**

जय समाज, जय राष्ट्र!

# कोरोना–सेवाकार्यों और संस्कार–संरक्षण के कार्यक्रमों को आंदोलन बनाना होगा : गोवर्धन गाड़ोदिया

**'वैश्विक महामारी कोरोना ने पूरे विश्व में उथल-पुथल मचाया है जिससे पूरी मानवता, विशेषकर संसाधनहीनों और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों, पर अत्यंत प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इन परिस्थितियों में अपने सेवाकार्यों के माध्यम से इनकी सहायता करना हमारा नैतिक दायित्व है और यही मारवाड़ियों की परम्परा भी रही है।'** ये विचार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में व्यक्त किए। बैठक **बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में पटना-स्थित सम्मेलन भवन में** फिजीकल एवं वर्चुअल दोनों माध्यमों से आयोजित की गई।

सामाजिक विषयों पर चर्चा करते हुए श्री गाड़ोदिया ने कहा कि पाश्चात्य सभ्यता के अंधानुकरण एवं कतिपय अन्य कारणों से हमारी सभ्यता और संस्कृति का ह्रास हुआ है। इस विषय पर अपनी अगली पीढ़ी को सजग-सतर्क रखना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि **आज कोरोना-सेवाकार्यों और संस्कार-संरक्षण के कार्यक्रमों को आंदोलन का रूप देना समय की माँग है।**

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गाड़ोदिया ने राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक पदाधिकारियों के साथ दीप-प्रज्वलित कर बैठक का शुभारम्भ किया। **वन बंधु परिषद की पटना इकाई की महिला समिति** की सदस्याओं ने सुमधुर स्वर में गणेश-वंदना एवं स्वागत-गीत प्रस्तुत किया। बैठक के स्वागताध्यक्ष **श्री गिरधारीलाल सर्राफ** ने स्वागत-वक्तव्य दिया। बिहार सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री महेश जालान**, महामंत्री **श्री योगेश तुलस्यान**, कोषाध्यक्ष **श्री विजय मस्करा**, बैठक के संयोजक **श्री राजेश बजाज** एवं वरिष्ठ सदस्यों ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का स्वागत-सम्मान किया। सम्मान-समारोह का संचालन **श्री अंजनी सुरेका** ने किया।

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने अपने सम्बोधन में केन्द्रीय, प्रांतीय, प्रमंडल-जिला, नगर-ग्राम हर स्तर पर सम्मेलन की शाखाओं एवं पूरे मारवाड़ी समाज द्वारा कोरोना-राहत एवं शीघ्र टीकाकरण हेतु दिए जा रहे सहयोग की सराहना की एवं इसे मानवता की उच्चतम सेवा बताया।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा **श्रीमती शारदा लाखोटिया** ने सम्मेलन के सेवाकार्यों की सराहना की और सम्मेलन के कार्यकलापों में महिला सम्मेलन की ओर से सर्वरूपेण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि अपने लड़के-लड़कियों, दोनों को उच्च शिक्षा दिलाना आज समय की आवश्यकता है और हमें इसके लिए हर सम्भव प्रयास करना चाहिए।

बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक (२० जून २०२१, वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से) का कार्यवृत सर्वसम्मति से पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय कुमार हरलालका** ने पिछली बैठक के बाद की सम्मेलन की गतिविधियों पर **'महामंत्री की रपट'** प्रस्तुत की जिसमें उन्होंने कोरोना-राहत सेवाकार्यों, संगठन-विस्तार, आदि, सहित सम्मेलन की गतिविधियों का विवरण दिया। वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया** एवं निवर्तमान कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी** ने वित्तीय वर्ष २०२०-२१ के सम्मेलन के 'आय-व्यय का लेखा-जोखा और संतुलन पत्र' के विषय में संक्षेप में बताया। श्री आत्माराम सोन्थलिया ने बताया कि गत ३० जुलाई २०२१ को भारत सरकार के कार्पोरेट कार्य मंत्रालय ने सी.एस.आर. के अन्तर्गत गतिविधियाँ करने वाली संस्था के रूप में सम्मेलन के पंजीकरण को स्वीकृति दी है। इसमें और जी.एस.टी. का रिफंड प्राप्त करने में सक्रिय सहयोग के लिए उन्होंने राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल** का आभार व्यक्त किया। विचार-विमर्श के बाद **वित्तीय वर्ष २०२०-२१ का 'आय-व्यय का लेखा-जोखा और संतुलन पत्र' समिति द्वारा सर्वसम्मति से पारित हुआ।**

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्षों **सर्वश्री भानीराम सुरेका, पवन कुमार गोयनका, अशोक कुमार जालान, डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका** एवं **श्री विजय कुमार लोहिया** ने अपने-अपने प्रभार के प्रांतों की गतिविधियों पर समीक्षा प्रस्तुत की। राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसंत कुमार मित्तल** ने संगठन-विस्तार सम्बंधी गतिविधियों और इस क्षेत्र में भावी योजनाओं और कार्यक्रमों के विषय में बताया।

प्रादेशिक अध्यक्षों **सर्वश्री ओमप्रकाश अग्रवाल** (झारखंड), **गोविन्द अग्रवाल** (उत्कल), **गोकुल चंद बजाज** (गुजरात), **डॉ. सुभाष अग्रवाल** (कर्नाटक), **लक्ष्मीपत भूतोड़िया** (दिल्ली), **ओमप्रकाश खण्डेलवाल** (पूर्वोत्तर), **पुरुषोत्तम सिंघानिया**

(छत्तीसगढ़), **चांदमल अग्रवाल** (आन्ध्र प्रदेश) और **नंद किशोर अग्रवाल** (पश्चिम बंग) ने अपने-अपने प्रांत की गतिविधियों पर संक्षिप्त रपट प्रस्तुत की। बिहार सम्मेलन के पूर्व अध्यक्षों **डॉ. रमेश केजड़ीवाल, सर्वश्री कमल नोपानी, विजय किशोरपुरिया, निर्मल कुमार झुनझुनवाला** और **बिनोद तोदी** ने भी बैठक को सम्बोधित किया और वर्तमान **अध्यक्ष श्री महेश जालान एवं उनकी पूरी टीम की सक्रियता और जनकल्याण के कार्यों में समर्पण को अनुकरणीय बताया।**

**भव्य स्वागत-सम्मान ने अतिथियों को किया अभिभूत**

*बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का आतिथ्य सर्वरूपेण सम्पूर्ण था और पधारे अतिथियों के लिए सुखद अनुभूति प्रदान करने वाला। चित्र में: राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के अतिथि गृह – फ्रेजर रोड, पटना स्थित 'मारवाड़ी आवास गृह' पहुँचने पर प्रादेशिक अध्यक्ष श्री महेश जालान एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा बाजे-गाजे के साथ भावभीना स्वागत। प्रत्येक अतिथि का स्वागत इसी प्रकार हुआ।*

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह बिहार सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष **श्री पवन कुमार सुरेका** ने पटना में बैठक आयोजित करने हेतु केन्द्रीय नेतृत्व एवं कुशल आतिथ्य हेतु बिहार सम्मेलन का आभार व्यक्त किया। अपने प्रभार के प्रांतों की गतिविधियों पर बोलते हुए उन्होंने बिहार और उत्तराखंड सम्मेलन की सक्रियता की प्रशंसा की और कहा कि उत्तर प्रदेश में गति लाने की जरूरत है।

बैठक में राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्रीद्वय श्री गोपाल अग्रवाल एवं श्री सुदेश अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, डॉ. ओम प्रकाश प्रणव, डॉ. सावर धनानिया, सर्वश्री रतन लाल बंका, शिव कुमार लोहिया, मधुसूदन सीकरिया, राजकुमार तिवाड़ी, जयदयाल अग्रवाल, राजकुमार केडिया, रामपाल अट्टल, केदारनाथ गुप्त, निकेश गुप्ता, पवन जालान, गौरीशंकर अग्रवाल, जगदीश गोलपुरिया, नंदलाल सिंघानिया, श्रीमती पुष्पा भुवालका, श्रीमती सुषमा अग्रवाल सहित पूरे देश से राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य-सदस्याएँ शामिल थी।

## महेश जालान के अध्यक्षीय कार्यकाल की वर्षगाँठ

*सितम्बर २०२१ के दौरान बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रादेशिक अध्यक्ष श्री महेश जालान के अध्यक्षीय कार्यकाल का एक वर्ष पूरा हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने श्री जालान के साथ केक काटकर उन्हें अत्यंत सफल प्रथम वर्ष की बधाइयाँ दी।*

# अद्भुत व्यक्तित्व के स्वामी थे इन्द्र चन्द संचेती : सीताराम शर्मा

**सुप्रसिद्ध समाजसेवी, अधिवक्ता एवं लेखक इन्द्र चन्द संचेती का गत १० सितम्बर २०२१ को कोलकाता में ९१ वर्ष की आयु में निधन हो गया।** अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा १४ सितम्बर २०२१ को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने संचेती जी के निधन को समाज एवं सम्मेलन के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि संचेती जी सम्मेलन के परम हितैषी थे और सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सहित अनेक गुरुमहत्व के दायित्वों का निवर्हन किया था। श्री गाड़ोदिया ने कहा कि **नश्वर संसार से सबको जाना पड़ता है लेकिन कुछ लोग एक अमिट छाप छोड़ जाते हैं, संचेती जी उन्हीं लोगों में से एक थे।**

स्व. इन्द्र चन्द संचेती

श्रद्धांजलि सभा को सम्बोधित करते हुए सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि लेखक, वकील, लोकोपकारक एवं चिन्तक-विचारक श्री इन्द्र चन्द संचेती एक अद्भुत एवं बहुआयामी व्यक्तित्व के स्वामी थे। वे सर्वरूपेण सरस्वतीपुत्र थे और दूसरों की सहायता हेतु सदैव तत्पर रहते थे — **आज कोलकाता में अनेक ऐसे सफल वकील हैं जिन्हें संचेती जी ने गढ़ा है।** यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे संचेती जी के साथ एक लम्बे समय तक कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। उनके साथ पहले सामाजिक परिचय हुआ, परिचय मित्रता में बदला और फिर उनकी धर्मपत्नी किरण जी सहित पूरे परिवार से घनिष्ठ सम्बंध हो गए। संचेती जी एक स्पष्टवादी व्यक्ति थे और जिस संस्था के साथ जुड़े, उसे ऊँचाइयों पर ले गए। सम्मेलन के भवन हेतु अम्हर्स्ट स्ट्रीट में जमीन प्राप्त करने में भी उनकी अहम भूमिका था। संचेती जी सदैव भविष्य हेतु योजनाओं और कार्यक्रमों पर विचार करते रहते थे। लेखन में उनकी गहरी रुचि थी और ८५ वर्ष की आयु में भी उनके मन में एक नयी पुस्तक लिखने के प्रति उत्साह था, जो असाधारण है।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** ने कहा कि संचेती जी से उनका १९५८ से सम्पर्क था और वे संचेती जी की प्रेरणा से सम्मेलन, विशुद्धानंद अस्पताल, कलकता चैम्बर आफ कॉमर्स जैसी कई संस्थाओं से जुड़े। समाजसेवी-उद्योगपति **श्री जगदीश प्रसाद चौधरी** ने कहा कि विभिन्न विषयों पर उनका ज्ञान विशद था और वे अत्यंत प्रखर मस्तिष्क के स्वामी थे। साथ ही, हमेशा अच्छे काम करने की प्रेरणा देते थे।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने कहा कि उन्हें मारवाड़ी सम्मेलन फाउंडेशन की बैठकों में संचेती जी से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ और संचेती जी के वक्तव्य उन्हें बहुत प्रभावित करते थे। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने कहा कि १९६० में संचेती जी से व्यवसायिक कारणों से मिलना हुआ, फिर घनिष्ठता हो गयी।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसंत कुमार मित्तल** एवं **श्री पवन जालान** ने भी सभा को सम्बोधित किया और संचेती जी को श्रद्धांजलि दी। संचेती जी के सुपुत्र **श्री प्रदीप संचेती** ने अपने पिता के बाल्यकाल और शिक्षा-दीक्षा के विषय में बताते हुए कहा कि अर्थाभाव या अन्य कोई समस्या संचेती जी को रोक नहीं पाती थी और वे जिस कार्य में लगते उसे पूर्ण करके ही छोड़ते थे। राजनैतिक रूप से भी वे अत्यंत सक्रिय थे – पढ़ने के दौरान बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय एवं कोलकाता लॉ कॉलेज में छात्रसंघ का चुनाव लड़ा और जीते।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने शोक प्रस्ताव का वाचन किया। सभा में संचेती जी के ज्येष्ठ सुपुत्र श्री अशोक संचेती, सर्वश्री/श्रीमती/सुश्री विवेक पसारी, विष्णु दयाल अग्रवाल, बाबूलाल अग्रवाल, डॉ. सुरेश कुमार अग्रवाल, भावना संचेती, अंकिता कुमार, उर्मिला दिनोदिया, सुषमा लाखोटिया आदि उपस्थित थे।

उपलब्धि

## बहन-भाई सी.ए. फाईनल के मेरिट-लिस्ट में

# तैयारी के दौरान भाई-बहन का साथ और परस्पर सहयोग सफलता के मूल में : नंदिनी अग्रवाल

**नंदिनी अग्रवाल और सचिन अग्रवाल ने कठिनतम परीक्षाओं में से एक सी.ए. की तैयारी के लिए किसी प्राईवेट कोचिंग संस्थान में दाखिला नहीं लिया। नंदिनी कहती हैं – तैयारी के लिए हमने अपने आप पर भरोसा किया, रोज आठ-नौ घंटे पढ़ाई की। शंकाओं का समाधान तो हमारे विचार-विमर्श में ही हो जाता था।**

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के रहने वाले बहन–भाई, नंदिनी अग्रवाल और सचिन अग्रवाल, का एक ही लक्ष्य था – चार्टर्ड एकाउंटेंट बनना, और उन्होंने साथ-साथ तैयारी करके यह उपलब्धि धमाकेदार तरीके से हासिल की, इतिहास रचकर। द इंस्टीच्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आई.सी.ए.आई) द्वारा ०५ जुलाई २०२१ से २० जुलाई २२१ के बीच आयोजित सी.ए. फाईनल की परीक्षा के १३ सितम्बर २०२१ को घोषित परिणामों में **१९-वर्षीय नंदिनी ने ६१४ अंक प्राप्त कर पूरे भारत में पहला एवं २१-वर्षीय सचिन ने ५६८ अंक प्राप्त कर अट्ठारहवाँ स्थान प्राप्त किया**। उल्लेखनीय है कि कुल ८३,६०६ प्रतिभागियों में से लगभग १.५ प्रतिशत ने इस वर्ष सफलता प्राप्त की।

परिवारजनों के साथ नंदिनी एवं सचिन

बचपन से ही नंदिनी और सचिन साथ में ही पढ़ाई करते आ रहे हैं। "मैंने और मेरे भाई ने २०१७ में विक्टर कांवेंट स्कूल, मुरैना से बारहवीं की परीक्षा पास की। उसके बाद हमने अपना ध्यान सी.ए. परीक्षा पर केन्द्रित किया। **ईश्वर और माता-पिता का आशीर्वाद है कि हमें अपने कठोर श्रम एवं अध्यवसाय का फल प्राप्त हुआ", नंदिनी कहती हैं**।

मीडिया से बात करते हुए, नंदिनी ने बताया कि यद्यपि उन्होंने किसी कोंचिंग संस्थान में दाखिला नहीं लिया, घर पर मार्गदर्शन करने वाले शिक्षक उन्हें उपलब्ध थे। उन्होंने ऑनलाईन एक्जाम प्रिपेरेशन स्ट्रेटेजी और आई.सी.ए.आई. के स्टडी मैटेरियल का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि तैयारी के दौरान उन्हें सचिन से बहुत सहयोग एवं प्रेरणा मिली। सचिन ने भी नंदिनी को अपना प्रेरणास्रोत बताया।

यह पूछे जाने पर कि आपकी तैयारी मुख्यतः कोविड-काल में हुई और परीक्षाएँ भी तब आयोजित हुई जब देश कोविड की दूसरी लहर से उभर रहा था, कोविड ने आपको किस प्रकार प्रभावित किया, नंदिनी ने जवाब दिया, "चूँकि हम स्वाध्याय पर अधिक निर्भर थे, इसका हम पर ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा। परीक्षाओं में भी खास दिक्कत नहीं आई, परीक्षार्थियों हेतु सुविधायें संतोषजनक थी।"

**सी.ए. बनने के भावी आकांक्षियों के लिए नंदिनी की सलाह है – अध्यवसाय**। उन्होंने कहा – हमें तो पहली बार में ही सफलता मिल गई है किन्तु कइयों को तीसरे-चौथे प्रयास में मिलती है। लगातार धैर्यपूर्वक परिश्रम, पिछले सालों के प्रश्नपत्रों को दुहराना, मॉक टेस्ट आदि सी.ए. की परीक्षा में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

नंदिनी एवं सचिन के पिता **श्री नरेश चन्द्र गुप्ता** एक टैक्स कंसल्टेट और उनकी माता **श्रीमती डिम्पल गुप्ता** एक गृहिणी हैं। नंदिनी ने बताया कि परिवार की ओर से सी.ए. बनने या किसी अन्य क्षेत्र में जाने का कोई दबाव नहीं था। हमें अपनी इच्छानुसार पढ़ाई करने और अपना लक्ष्य स्वयं निर्धारित करने की छूट थी।

**अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार नंदिनी और सचिन की इस गौरवमयी उपलब्धि पर हार्दिक बधाइयाँ देते हुए, उनकी उत्तरोत्तर प्रगति और सर्वरूपेण सफलता की मंगलकामना करता है!**

# अपनी संस्कारों-संस्कृति के प्रति सबको रहना होगा सजग-सचेत : गोवर्धन गाड़ोदिया

गत १२ दिसम्बर २०२१ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** एक आकस्मिक दौरे पर कटक, ओडिशा पहुँचे। अत्यंत अल्प सूचनावधि के बावजूद, उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की कटक शाखा ने स्थानीय बाम्बे इन होटल में एक औपचारिक बैठक का आयोजन कर उनका अभिनंदन किया।

*उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष श्री गोविन्द अग्रवाल एवं प्रादेशिक-स्थानीय पदाधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया का स्वागत-सम्मान।*

बैठक को सम्बोधित करते हुए श्री गाड़ोदिया ने कहा कि कोरोनाजनित समस्याओं के आलोक में वर्तमान में राहत–सेवाकार्यों का बहुत महत्व है और प्रसन्नता का विषय है कि पूरे देश में हर स्तर पर सम्मेलन की शाखायें समर्पित रूप से सेवारत हैं। उन्होंने कहा कि संस्कारों का ह्रास एवं अपनी सभ्यता-संस्कृति के प्रति उदासीनता समाज के लिए एक चिंतनीय विषय है। मातृशक्ति, युवाशक्ति एवं अपने किशोर-किशोरियों सहित समाज के हर तबके, हर व्यक्ति को इस विषय पर सजग-सचेत रखना आज समय की माँग है।

श्री गाड़ोदिया ने कहा कि इस बैठक हेतु प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री गोविन्द अग्रवाल**, महामंत्री **श्री जयदयाल अग्रवाल** एवं निवर्तमान महामंत्री **श्री बिजय केडिया** सड़क मार्ग से संबलपुर से कटक पधारे जो सामाजिक कार्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने त्वरित बैठक के आयोजन हेतु प्रादेशिक एवं स्थानीय पदाधिकारियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

*श्री किशनलाल भरतिया के निवास पर जाकर उनका सम्मान।*

बैठक में प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री गोविन्द अग्रवाल** एवं कटक शाखाध्यक्ष **श्री सुरेश कमानी** ने क्रमशः प्रादेशिक एवं स्थानीय स्तर पर सम्मेलन की गतिविधियों की जानकारी दी। बैठक में कोरोना-राहत सेवाकार्यों, संगठन-विस्तार, समाज-सुधार सहित विभिन्न प्रादेशिक विषयो पर चर्चा हुई। प्रादेशिक महामंत्री श्री जयदयाल अग्रवाल, उत्कल सम्मेलन की पत्रिका 'झलक' के संपादक श्री बिजय केडिया, संगठन सचिव श्री जितेंद्र गुप्ता, कटक शाखा के संस्थापक अध्यक्ष श्री सूर्यकांत सांगानेरिया, कार्यकारी अध्यक्ष पवन तायल, मंत्री श्री दिनेश जोशी, कोषाध्यक्ष श्री रमेश चौधरी, जनसम्पर्क अधिकारी श्री निर्मल पूर्वा, वरिष्ठ सलाहकार श्री मोहनलाल सिंघी, सर्वश्री सत्यनारायण भरालेवाला, रमेश बंसल, नंद किशोर जोशी, पदम भावसिंका, जोगिंदर अग्रवाल, बिजय अग्रवाल, श्याम लाड़सरिया आदि बैठक में उपस्थित थे।

बैठक के पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गाड़ोदिया प्रादेशिक एवं स्थानीय पदाधिकारियों के साथ सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्य, सुख्यात स्थानीय समाजसेवी **श्री किशनलाल भरतिया** से उनके निवास स्थान पर जाकर मिले। उन्हें पुष्पगुच्छ एवं शाल देकर सम्मानित किया और उनके शीघ्र स्वास्थ्य-लाभ की कामना की। भजन गायक **श्री दिनेश जोशी** एवं **श्री निर्मल पूर्वा** ने कृष्णभक्त एवं भागवतप्रेमी श्री भरतिया को राधा-कृष्ण के भजन सुनाये। भक्तिपूर्ण माहौल में 'जय जगन्नाथ' के जयकारे के साथ श्री भरतिया से विदा लेकर, सभी अपने-अपने गंतव्य को रवाना हुए।

# Krishi Rasayan Group

**29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),**
**Kolkata - 700020, West-Bengal, India**
**www.krishirasayan.com**
**E-mail: atul@krishirasayan.com**
**Telephone: +91-33-71081010/11**

KRISHI RASAYAN GROUP
SINCE 1966 IN AGROCHEMICALS

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

**Krishi Rasayan** has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

**It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.**

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

**Krishi Rasayan** specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

**Insecticides:**
**Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.**

**Fungicides:**
**Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc**

**Weedicides:**
**Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.**

**PGR's:**
**6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol**

**Bio-Products:**
**Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.**

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

# SERVICES AT A GLANCE

- Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments
- Radiology
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- Cardiology
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- Wide Range of Pathology
- Pulmonary Function Test
- UGI Endoscopy / Colonoscopy
- Physiotherapy
- EEC / EMG / NCV
- General & Cosmetic Dentistry
- Elder Care Service
- Sleep Study (PSG)
- EYE / ENT Care Clinic
- Gynae and Obstetric Care Clinic
- Haematolgy Clinic
- Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep
- Health Check-up Packages
- Online Reporting
- Report Delivery

## Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

# हजारीबाग जिला मारवाड़ी सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा सह पारिवारिक मिलन समारोह

गत ०५ सितम्बर २०२१ को हजारीबाग जिला मारवाड़ी सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा सह पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन बड़ा बाज़ार, हजारीबाग स्थित जैन भवन में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया** ने शिरकत की। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल** समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

हजारीबाग जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री सुमेर सेठी** ने जिला सम्मेलन की गतिविधियों के विषय में बताते हुए कहा कि कोरोना-जनित कारणों से कई कार्यक्रमों को रद्द करना पड़ा तथापि यथासम्भव गतिविधियाँ जारी रखी गयी। कोरोना की पहली लहर के दौरान आक्सीजन बैंक एवं होम्योपैथी दवा-वितरण का प्रावधान किया गया। इस दौरान निःशुल्क मास्क का वितरण भी किया गया।

लोक–आस्था के महापर्व छठ पूजा के दौरान छठव्रती महिलाओं को हो रही असुविधा को ध्यान में रखते हुए, शहर के विभिन्न छठ घाटों पर कपडा बदलने हेतु ४० अस्थायी चेंजिंग रूम बनाये गये, जिसकी सबने सराहना की। खिरगांव, हजारीबाग स्थित मुक्तिधाम में आधुनिक तकनीक से शवदाह की व्यवस्था की गई जिससे लकड़ी की खपत काफी कम होगी और यह पर्यावरण के लिए भी हितकर होगा। साथ ही, मुक्तिधाम का सुन्दरीकरण भी कराया गया है।

संस्कृति-संरक्षण के उद्देश्य से रक्षाबंधन एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई और इनके विजेताओं को इसी समारोह में पुरस्कार, उपहार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए। संयोगवश सभा का आयोजन शिक्षक दिवस के दिन हुआ था और समारोह में शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी अंगवस्त्र तथा तुलसी का पौधा प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सभा में कोरोना काल मे दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन भी रखा गया। समारोह में राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत मित्तल, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री विनोद जैन, प्रांतीय महामंत्री श्री पवन शर्मा, संयुक्त प्रांतीय महामंत्री श्री मनोज बजाज, संयुक्त महामंत्री श्री विष्णु प्रसाद, विभागीय मंत्री श्री अनिल अग्रवाल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री रविशंकर शर्मा, प्रमंडलीय उपाध्यक्ष श्री गोबिंद मेवाड़, जिला सम्मेलन के सचिव श्री मनोज गोयल, कोषाध्यक्ष श्री राहुल शर्मा, सहसचिव श्री कपिल जैन, मीडिया प्रभारी श्री जीतेन्द्र जैन, सर्वश्री प्रबल जैन, पवन खंडेलवाल, अशोक अग्रवाल, नरेश खंडेलवाल, दिनेश खंडेलवाल, प्रताप जैन, राजकुमार टोंग्या, सुरेश पाटोदी, सुरेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुबोध सेठी, बजरंग अग्रवाल, निर्मल गंगवाल, प्रेम अग्रवाल, सन्नी जैन, सोहन अग्रवाल, सतीश बंसल, सौरभ पाटनी, त्रिलोक मुनका, अनिल ताम्बी, निर्मल विनायका, अविनाश जैन, अरविंद अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, कमल जैन विनायक सहित शहर के गणमान्य समाजबंधु उपस्थित थे। सभा का संचालन प्रमंडलीय मंत्री श्री नीरज अग्रवाल ने किया। राष्ट्रगान के साथ सभा का समापन हुआ।

**प्रादेशिक समाचार : बिहार**

<u>बिहार सम्मेलन द्वारा आयोजित</u>

# सीताराम रूँगटा शताब्दी-स्मृति नृत्य प्रतियोगिता

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष रहे सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं स्वनामधन्य समाजसेवी **स्व. सीताराम रूँगटा** (**२७ दिसम्बर १९२० – १७ अप्रैल १९९४**) की पुण्यस्मृति में, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा **सीताराम रूँगटा शताब्दी-स्मृति नृत्य प्रतियोगिता "सावन आयो रे – इन्द्रधनुष रो रंग लायो रे"** का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता के अन्तर्गत जुलाई एवं अगस्त २०२१ में विभिन्न श्रेणियों में नृत्य की प्रतियोगिताएँ आयोजित हुई और बिहार सम्मेलन के बौद्धिक विकास एवं संस्कृति के प्रादेशिक मंत्री **श्री राजेश कुमार सुन्दरका** ने १५ सितम्बर २०२१ को परिणामों की घोषणा की जो निम्नवत हैं।

**बॉलीवुड नृत्य प्रतियोगिता (उम्र - ०५ से १२ वर्ष)**

प्रथम स्थान - दिलीशा खण्डेलवाल, पटना।
द्वितीय स्थान - गौरी कृष्ण राजगढ़िया, मोतिहारी।
- श्रेया, दरभंगा।
तृतीय स्थान - अर्हत जैन, गया।
- दृष्टि अग्रवाल व कनक अग्रवाल, पुपरी।
चतुर्थ स्थान - निराली नीरज वार्ष्णेय, पटना।
- सुदीक्षा हिसारिया, सीतामढ़ी।
पंचम स्थान - दर्श गोयल, रोसड़ा।
- सोनाक्षी शर्राफ, मुँगेर।

**लोक नृत्य प्रतियोगिता (उम्र - १३ से १७ वर्ष)**

प्रथम स्थान - श्रेयांशी तुलस्यान, खगड़िया।
द्वितीय स्थान - अवनि प्रकाश, दरभंगा।
तृतीय स्थान - पलक अग्रवाल, बेगूसराय।
चतुर्थ स्थान - मुस्कान हिसारिया व सौम्या हिसारिया, सीतामढ़ी
पंचम स्थान - कीर्ति राधिका, नवगछिया।
- वेदिका अग्रवाल, रामनगर।

**राजस्थानी नृत्य प्रतियोगिता (उम्र - १८ से ४० वर्ष)**

प्रथम स्थान - अन्नू शर्मा, बेतिया।
द्वितीय स्थान - खुशबू केजरीवाल, गया।
तृतीय स्थान - प्रिया शर्राफ, सीतामढ़ी।
चतुर्थ स्थान - ईशिता जैन, खगड़िया
- रितिका गर्ग, दरभंगा
पंचम स्थान - पिन्की कुमारी, छपरा, सारण।

**खुशनुमा नृत्य प्रतियोगिता (उम्र - ४० से ऊपर)**

प्रथम स्थान - नीलू शर्राफ, दरभंगा।
द्वितीय स्थान - नीतू देवी खेड़िया, दरभंगा।
तृतीय स्थान - ललिता राजगढ़िया, मोतिहारी।

---

**समाचार सार**

# राँची जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने किया कोरोना-योद्धाओं को सम्मानित

*२५ सितम्बर २०२१ : झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की राँची जिला शाखा द्वारा कोरोनाकाल में मानवता की सेवा में रत चिकित्सकों/संस्थाओं हेतु सम्मान-समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विनय सरावगी, आदि।*

गुजरात सम्मेलन का पुस्तक-विमोचन एवं सम्मान समारोह

# संगठन विस्तार का कोई विकल्प नहीं : पवन गोयनका

"**समाज के समक्ष समस्याओं का सामना करने एवं उनसे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सामाजिक संगठन अनिवार्य है और उसका कोई विकल्प नहीं है।**" ये विचार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने गत १२ सितम्बर २०२१ को **गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन** द्वारा सूरत के महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित **पुस्तक-विमोचन एवं सम्मान समारोह** में व्यक्त किए। श्री गोयनका ने उपस्थित समाजबंधुओं से अधिकाधिक संख्या में सम्मेलन से जुड़ने एवं महिला-पुरुषों, युवती-युवकों, किशोरी-किशोरों, समाज के हर तबके के लोगों को सम्मेलन से जुड़ने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

समारोह में गुजरात सम्मेलन द्वारा पुनर्प्रकाशित मारवाड़ी रीति-रिवाजों, वार-त्यौहारों और पद्धतियों को समाहित करती पुस्तिका '**नेगचार**' का विमोचन हुआ।

समारोह में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, गुजरात सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष **श्री जयप्रकाश अग्रवाल** और दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष **श्री राज कुमार मिश्रा** को समाज के प्रति विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। प्रादेशिक महामंत्री **श्री राहुल अग्रवाल** का सूरत शहर भाजपा युवा मोर्चा का मंत्री मनोनीत होने के उपलक्ष्य में अभिनंदन किया गया।

गुजरात सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री गोकुल चन्द बजाज** ने अपने उद्‌बोधन में सभी उपस्थितों का स्वागत किया और प्रदेश में सम्मेलन के गतिविधियों के विषय में जानकारी दी। गुजरात सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष एवं संरक्षक श्री जयप्रकाश अग्रवाल ने मारवाड़ी समाज के संगठन और राजनैतिक सक्रियता एवं सहभागिता की जरूरत पर बल दिया। गुजरात सम्मेलन के उपाध्यक्ष **श्री गणपत भंसाली** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

समारोह में गुजरात सम्मेलन के उपाध्यक्ष श्री विनोद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री ताराचंद अग्रवाल, अग्रवाल विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री सुभाष अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री संजय सरावगी, महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती बबिता अग्रवाल, सर्वश्री विनय अग्रवाल, शैलेन्द्र जालान, विजय मित्तल, सहित मारवाड़ी समाज के सभी घटकों से अच्छी संख्या में महिलाएँ-पुरुष उपस्थित थे।

समाचार सार

# साहित्यकार जवरीमल्ल पारख एवं संदीप मील हुए सम्मानित

*१८ सितंबर २०२१ : प्रयास संस्थान, चूरू द्वारा स्थानीय सूचना केंद्र में आयोजित पुरस्कार समारोह में प्रख्यात आलोचक डॉ. रोहिणी अग्रवाल ने जोधपुर के श्री जवरीमल्ल पारख को घासीराम वर्मा साहित्य पुरस्कार २०१९ तथा सीकर के पोसानी गांव के श्री संदीप मील को रूकमणी वर्मा युवा साहित्यकार पुरस्कार प्रदान किया। परिलिक्षित हैं (बायें से) प्रयास संस्थान के अध्यक्ष श्री दुलाराम सहारण, डॉ. (श्रीमती) रोहिणी अग्रवाल, श्री संदीप मील एवं श्री जवरीमल्ल पारख।*

शिक्षक दिवस पर विशेष

# गुवाहाटी महिला शाखा का शिक्षक-साक्षात्कार एवं सम्मान समारोह 'रूबरू'

**'हमारे समाज की बहनें गृहिणी होने के अलावा कई क्षेत्रों से जुड़ी है। चिकित्सक, इंजीनियर, चार्टर्ड एकांउटेंट बनकर अपने परिवार का नाम रोशन कर रही हैं। कुछ बहनें शिक्षा के क्षेत्र में बहुत अच्छा काम कर रही हैं। अपने गुणों, अपनी काबिलियत को दूसरों से साझा कर रही हैं और सफल नई पीढ़ी का निर्माण कर रही हैं।'** ये विचार गत ०५ सितम्बर २०२१ को शिक्षक दिवस के अवसर पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की **गुवाहाटी महिला शाखा** द्वारा ज़ूम वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आयोजित **शिक्षक-साक्षात्कार एवं सम्मान समारोह** 'रूबरू' में शाखाध्यक्षा **श्रीमती कंचन केजरीवाल** ने व्यक्त किए।

समारोह में शिक्षण से जुड़ी समाज की महिलाओं को शाखा द्वारा सम्मान-पत्र भेंट किए गए। शिक्षिकाओं ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे और सदस्याओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया। दिगंबर जैन विद्यालय की प्राचार्या **श्रीमती रश्मि ठोल्या** ने **'नई शिक्षा नीति'** के विषय में विस्तार से बताया। एन.ई.एफ. मैनेजमेंट कॉलेज की मानव संसाधन विभाग की प्रमुख **डॉ. रिंकू अगरवाला** ने **'शिक्षा से नारी सशक्तिकरण'** विषय पर अपने विचार रखे। के.सी. दास कॉमर्स कॉलेज की एम.कॉम. की विभाग प्रमुख **डॉ. चन्द्रप्रभा वोहरा** ने **'मेरी नजर में शिक्षक होने के मायने'** विषय पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में शाखा-सदस्या **श्रीमती सुमन बजाज** ने स्वरचित अंग्रेजी कविता तथा हैप्पी चाईल्ड स्कूल की शिक्षिका **श्रीमती मंजुलता शर्मा** और गुरु नानक स्कूल की शिक्षिका **श्रीमती हेमलता गोलछा** ने स्वरचित हिन्दी कविताओं का पाठ किया। नन्हे बच्चों **वेदांश** एवं **पृषा भातरा** ने मधुर स्वर में श्लोकपाठ किया। **श्रीमती फूलमाला पाटनी, श्रीमती सोनू चौधरी** एवं **श्रीमती कविता मूंदड़ा** ने मेहमानों का सबसे परिचय कराया। गुवाहाटी महिला शाखा की संयुक्त मंत्री **श्रीमती सुजाता मोर** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया। समारोह में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष **श्री अरुण अग्रवाल**, गुवाहाटी महिला शाखा की मंत्री **श्रीमती सरोज जालान** सहित अच्छी संख्या में समाज की महिलाओं ने भाग लिया।

*(बायें से, उपर) श्रीमती कंचन केजरीवाल, श्रीमती रश्मि ठोल्या; (नीचे) डॉ. रिंकू अगरवाला एवं डॉ. चन्द्रप्रभा वोहरा।*

---



# तेलंगाना सम्मेलन का सम्मान समारोह

*२१ सितम्बर २०२१ : अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं तेलंगाना के प्रभारी श्री विजय कुमार लोहिया के हैदराबाद पधारने पर तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा एक समारोह आयोजित कर श्री लोहिया का सम्मान किया गया। चित्र में श्री लोहिया को सम्मानित करते तेलंगाना सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रमेश कुमार बंग; साथ में महामंत्री श्री रामपाल अट्टल एवं प्रचार मंत्री श्री रामप्रकाश भंडारी।*

To your taste buds,
with love...
Refreshingly, yours.
Indulgently, yours.
Addictively, yours.
Spicily, yours.
Healthily, yours.
Nourishingly, yours.
Delightfully, yours.
Obsessively, yours.
Temptingly, yours.
Passionately, yours.
Snackingly, yours.
dream LITE
YUMMY
TWINZ
ROMANZ
Smileys
HIT&RUN
TOP
2in1
Marie Plus
Lemon MAZAA
Butter Bake
Snack It!
BAKERSBIX
Jadoo
Yours Tastefully
Anmol
TM
celebrating
25
years
BISCUITS
www.anmolindustries.com | Follow us on:

PHONEX ROADWINGS
STEVEDOR & SHORE HANDLING AGENT
Our Services
Port Stevedoring & Cargo Handling of Both Bulk Break bulk cargo
Shipping / Steamer Handling Agent
Road Transportation
In bound & Out bound Logistics
Container Freight Services
A-1/46/1, New Paharpur Road,
Rabindranagar, Kolkata – 700 066
E-mail : phonex.roadwings@gmail.com
roadwingsinternational@gmail.com
PIC - Nikunj Gourisaria , Mob. 9833933729, E-mail : nikunj.gourisaria@gmail.com

## उत्कल सम्मेलन की अनूठी पहल

# त्रिवेणी में किया सामूहिक अस्थि-विसर्जन

**उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन** एवं **मारवाड़ी युवा मंच** के संयुक्त तत्वावधान में संबलपुर, ओडिशा स्थित श्रीकृष्ण गोशाला से प्रयागराज, उत्तर प्रदेश स्थित त्रिवेणी संगम ले जाकर मृतकों की अस्थियाँ सामूहिक रूप से प्रवाहित की गई।

ज्ञातव्य है कि कोरोना-काल में आवागमन के साधनों की कमी एवं विभिन्न प्रतिबंधों के कारण अनेकों मृतकों का अंतिम संस्कार विधिवत सम्पन्न नहीं हो पाया। इसके आलोक में प्रतिबंधों में कमी आने के बाद मृत व्यक्तियों के परिवारजनों की इच्छानुसार, मृतक के नाम, गोत्र, पता, आदि सहित अस्थियाँ एकत्रित की गई और १५ सितम्बर २०२१ को समर्पित समाजसेवी **श्री गणेश पालीवाल** एवं **श्री शंकर पंसारी** अस्थियाँ लेकर प्रयागराज के लिए रवाना हुए। प्रकल्प के संयोजक श्री दिनेश अग्रवाल (उपाध्यक्ष, उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन), श्री जयदयाल अग्रवाल (महामंत्री, उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन), सर्वश्री मंगतूराम अग्रवाल, चन्द्र कुमार सराफ, सुरेश अग्रवाल, पराग अग्रवाल, ज्ञानप्रकाश अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, आदि ने उन्हें समारोहपूर्वक विदा किया।

**१६ सितम्बर २०२१ को प्रयागराज पहुँचकर श्री गणेश पालीवाल एवं श्री शंकर पंसारी ने विधिवत अस्थि-विसर्जन किया। यह भी उल्लेखनीय है कि यह सामूहिक अस्थि-विसर्जन किसी वर्ग-विशेष के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए था।**

# नई पहल हो नयी चेतना

**– भानीराम सुरेका**

कोलकाता समाज सुधार आंदोलनों की आदिभूमि है। उन्नीसवीं सदी के मध्य से यहाँ जो समाज सुधार आंदोलन चले उसका राष्ट्रीय और अन्तर्रष्ट्रीय प्रभाव पड़ा। चाहे वह सती प्रथा के खिलाफ आंदोलन हो या विधवा विवाह या बालविवाह सारे आंदोलन यहाँ से शुरू होकर राष्ट्रीय क्षितिज पर फैले और उसके सुपरिणाम भी मिले। ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, राजा राममोहन राय से लेकर रवीन्द्र नाथ टैगोर और काजी नजरुल इस्लाम तक आंदोलनों का सिलसिला लगातार चला। इन आंदोलनों के पक्ष में कविता, कहानियाँ, नाटक रचे गए, शहर-गाँव में उनका मंचन हुआ और लोकगीतों के माध्यम से वे लोगों की जुबान तक पहुँचे जिससे आम आदमी की समझ में ये बातें आईं और धीरे-धीरे समाज पौराणिक रुढ़ियों, कुप्रथाओं और अंधविश्वासों से मुक्त होने लगा। बीसवीं सदी के प्रारंभ में शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय की कहानियाँ पढ़ें, उनके उपन्यास पर चिंतन करें तो समाज को सुधारने की ललक स्पष्ट दिखाई पड़ती है।

कोलकाता में शुरू हुई इन आंदोलनों से सिर्फ बंगाली समाज का फायदा हुआ, ऐसी बात नहीं है। इन आंदोलनों ने यहाँ रह रहे अन्य समाज के लोगों को भी आकर्षित किया और वे भी अपने समाज में सुधार के प्रति गंभीर हुए। सुधार आंदोलनों का सर्वाधिक असर बंगाली समाज के बाद मारवाड़ी समाज पर पड़ा। चूँकि मारवाड़ी समाज लंबे समय से कोलकाता में रहने वाला प्रमुख समाज रहा है इसीलिए इस समाज में इन आंदोलनों का सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में ही मारवाड़ी समाज ने छोटे-छोटे समूह बनाकर समाज सुधार के प्रति अपने प्रयासों को रंग देना शुरू किया। कलकत्ता के मारवाड़ी समाज की गतिविधियों ने देश के अन्य प्रान्तों में रह रहे मारवाड़ी समाज के लोगों को भी सक्रिय किया और वे भी इस धारा से जुड़ गए। १८८५ में समाज सुधार नामक पत्रिका निकालकर बिहार के आरा के मारवाड़ियों ने बड़ी पहल की। १९१० में इस आंदोलन में एक बड़ा मोड़ आया जब इंग्लैंड से बैरिस्ट्री पास करके लौटे कालीकृष्ण खेतान को समुद्र पार करने के पाप में समाज-निकाला दे दिया गया। समाज के प्रगतिशील तबके ने इसके खिलाफ मोर्चा संभाला और तीव्र आंदोलन शुरू किया। बीच-बचाव में उस समय प्रसिद्धि के शिखर पर पहुँच चुके बिड़ला परिवार को आना पड़ा और अंततः कालीकृष्ण खेतान को समाज ने स्वीकृति प्रदान की। इसके बाद ही मारवाड़ी समाज में शिक्षा के प्रति अनुराग बढ़ा और किसी तरह व्यापार-वाणिज्य के संचालन की योग्यता से आगे बढ़कर विधिवत उच्च शिक्षा प्राप्त करने की शुरूआत हुई।

इसके बाद आंदोलन का निशाना सदियों पुराने संस्कार बने। सैकड़ों तरह की रूढ़ियों, कुप्रथाओं, अंधविश्वासों से जर्जरित मारवाड़ी समाज को नया जामा पहनाने के लिए कतिपय समर्पित समाजसेवी, विचारक सामने आये और इन्होंने बिना विरोध की परवाह किये लगातार समाज सेवा और सुधार के कार्यक्रम हाथ में लिए जिसका परिणाम आखिरकार दर्ज़नों विद्यालयों, अस्पतालों और दातव्य चिकित्सालयों के रूप में सामने आया। आज कोलकाता के बड़ाबाज़ार अंचल में विशुद्धानंद विद्यालय, माहेश्वरी विद्यालय, डीडू माहेश्वरी विद्यालय हों, या मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, विशुद्धानंद अस्पताल (अमहर्स्ट स्ट्रीट और बड़ाबाजार) सब समाज के चंदे से निर्मित ऐतिहासिक धरोहरें हैं जिन्होंने मारवाड़ी समाज की प्रतिष्ठा में चार चाँद लगाए।

१९३५ में रजवाड़ों को मतदान के अधिकार को लेकर शुरू हुए आंदोलन की परिणति अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन जैसे राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था के गठन तक पहुँची और समाज को वैचारिक आधार देने के लिए चोटी के समाजसुधारक एकत्रित होकर नेतृत्व में आये। यह वह समय था जब पश्चिम बंगाल की राजनीति में भी मारवाड़ी समाज की प्रतिनिधि भागीदारी थी और एक समय १६ विधायक मारवाड़ी हुआ करते थे जो बंगाली-बहुल इलाकों से जीत कर आते थे। स्वर्गीय ईश्वर दास जालान क़ानून मंत्री और बाद में विधानसभाध्यक्ष तक बने। विजय सिंह नाहर उपमुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुँचे।

समाज सुधार आंदोलनों का यह सिलसिला १९७० के दशक से शिथिल पड़ने लगा। पुराने समर्पित समाजसुधारकों के अवसान के बाद नयी पीढ़ी के लोग उस धारा को अक्षुण्ण नहीं रख सके।

मैं स्वयं १९७९ में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से जुड़ा और १९८३ में सम्मेलन की शाखा कोलकाता मारवाड़ी सम्मेलन का अध्यक्ष बना तो सीताराम शर्मा, जो वर्तमान में बेलारूस के मानद कंसुल जनरल हैं, भारत चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष हैं और पूर्व में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पद को सुशोभित कर चुके हैं, के साथ मिलकर हमने समाज सुधार के आंदोलनों की गति बढाने के लिए उस समय सिनेमा हालों में फिल्म शुरू होने से पहले समाज सुधार संबंधी सूचना प्रचारित करने की पहल की। इससे लोगों में जागरूकता बढ़ी।

१९९० के दशक में शुरू हुए उदारीकरण और बाजारीकरण ने मारवाड़ी समाज की आर्थिक हैसियत को कितना फायदा पहुँचाया यह अनुसंधान का विषय भले हो लेकिन इस नई व्यवस्था ने समाज में उधारीकरण का जो रोग लगाया वह अब नासूर बनकर पूरे समाज की नींव को खोखला कर रहा है।

*(शेष पृष्ठ २४ पर)*

# देव-स्तुति

## [गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

**सनत्कुमारोऽवतु कामदेवाद्धयशीर्षा मां पथि देवहेलनात्।**
**देवर्षिवर्यः पुरुषार्चनान्तरात् कूर्मो हरिर्मां निरयादशेषात्।।**

परम ब्रह्मचारी सनतकुमार कामवासनाओं से मेरी रक्षा करें। जैसे ही मैं कोई शुभकार्य शुरू करूँ, भगवान् हयग्रीव मेरी रक्षा करें जिससे मैं परमेश्वर को नमस्कार न करने का अपराधी न बनूँ। श्रीविग्रह की अर्चना में कोई अपराध न हो इसके लिए देवर्षि नारद मेरी रक्षा करें। भगवान् कूर्म असीम नरकलोक में गिरने से मुझे बचाएँ।

**धन्वन्तरिर्भगवान्पात्वयथ्याद् द्वन्द्वाद्भयादृषभो निर्जितात्मा।**
**यज्ञश्च लोकाददवज्जनान्ताद् बलो गणात्क्रोधवशादहीन्द्रः।।**

वैद्यराज धन्वन्तरि अवतार के रूप में श्रीभगवान् मुझे अवांछित खाद्य पदार्थों से दूर रखें और शारीरिक रुग्णता से मेरी रक्षा करें। अपनी आन्तरिक तथा बाह्य इन्द्रियों को वश में रखने वाले श्रीऋषभदेव सर्दी तथा गर्मी के द्विधा से उत्पन्न भय से मेरी रक्षा करें। भगवान् यज्ञ जनता से मिलने वाले उपयश तथा हानि से मेरी रक्षा करें और शेषनाग के रूप में भगवान् बलराम मुझे ईर्ष्यालु सर्पों से बचाये।

**द्वैपायनो भगवानप्रबोधाद् बुद्धस्तु पाषम्डगणप्रमादात्।**
**कल्किः कलेः कालमलात्प्रपातु धर्मावनायोरुकृतावतारः।।**

वैदिक-ज्ञान से विहीन होने के कारण समस्त प्रकार की अविद्या से पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान् का सर्वशक्तिमान अवतार श्री व्यासदेव मेरी रक्षा करें। भगवान् बुद्धदेव मुझे वेद विरुद्ध कर्मों से तथा आलस्य से बचाएँ, जिसके कारण प्रमादवश वेद ज्ञान तथा अनुष्ठान भूल जाते हैं। भगवान् कल्कि देव, जो धार्मिक नियमों की रक्षा के लिए अवतार के रूप में प्रकट हुए, मुझे कलियुग की मलिनता से बचायें।

**माँ केशवो गदया प्रातरव्याद् गोविन्द आसङ्गवमात्तवेणुः।**
**नारायणः प्राहृण उदात्तशक्ति मध्यन्दिने विष्णुररीन्द्रपाणिः।।**

भगवान् केशव दिन के पहले चरण में अपनी गदा से तथा दिन के दूसरे चरण में भगवान् गोविन्द अपनी बाँसुरी में मेरी रक्षा करें। भगवान् नारायण, जो सर्व शक्तियों से सम्पन्न है, दिन के तीसरे चरण में मेरी रक्षा करें और भगवान् विष्णु, जो शत्रुओं को मारने के लिए हाथ में चक्र धारण किये हुए हैं, वे दिन के चौथे चरण में मेरी रक्षा करें।

**देवोऽपराहृणे मधुहोग्रधन्वा सायं त्रिधामावतु माधवो माम्।**
**दोषे हृषीकेश उतार्धरात्रे निशीथ एकोऽवतु पद्मनाभः।।**

असुरों के लिए शार्ङ्ग नामक प्रचण्ड धनुष को धारण करने वाले भगवान् मधुसूदन दिन के पंचम चरण में मेरी रक्षा करें। संध्या समय भगवान् माधव, ब्रह्मा, विष्णु तथा महेश्वर त्रिमूर्ति के रूप में प्रकट होकर मेरी रक्षा करें और रात्रि प्रारम्भ होने पर भगवान् ऋषिकेश मेरी रक्षा करें। अर्ध रात्रि में (रात्रि के दूसरे तथा तीसरे चरण में) केवल भगवान् पद्मनाभ मेरी रक्षा करें।

**श्रीवत्सधामापररात्र ईशः प्रत्यूष ईशोऽसिधरो जनार्दनः।**
**दामोदरोऽव्यादनुसन्ध्यं प्रभाते विश्वेश्वरो भगवान्कालमूर्तिः।।**

हे पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान्, जो वक्ष पर श्रीवत्स धारण किये हुए है, अर्धरात्रि के पश्चात् से आकाश के गुलाबी होने तक मेरी रक्षा करें। हाथ में तलवार धारण करने वाले भगवान् जनार्दन रात्रि के समाप्त होने पर (रात्रि के चतुर्थ भाग में) मेरी रक्षा करें। भगवान् दामोदर बड़े भोर में तथा रात की संधियों के समय मेरी रक्षा करें।

**गरुड़ो भगवान्स्तोत्रस्तोभश्छन्दोमयः प्रभुः।**
**रक्षत्वशेषकृच्छेभ्यो विष्वक्सेनः स्वनामभिः।।**

भगवान् विष्णु के वाहन श्रीगरुड़ श्रीभगवान् के समान शक्तिशाली होने के कारण सर्वपूज्य हैं। वे साक्षात् वेद हैं और चुने हुए श्लोकों से उनकी पूजा की जाती है। वे सभी भयानक स्थितियों में हमारी रक्षा करें। भगवान् विश्वसेन अपने पवित्र नामों के माध्यम से हमें सभी संकटों से बचायें।

**सर्वापद्भ्यो हरेर्नामरूपयानायुधानि नः।**
**बुद्धीन्द्रियमनः प्राणान्पान्तु पार्षदभूषणाः।।**

श्रीभगवान् के पवित्र नाम, दिव्य रूप, वाहन तथा सभी शस्त्रास्त्र, जो उनके पार्षदों के समान उनकी शोभा बढ़ाने वाले हैं, हमारी बुद्धि, इन्द्रियों, मन तथा प्राण की सभी प्रकार के संकटों से रक्षा करें।

**यथैकात्म्यानुभावनां विकल्परहितः स्वयम्।**
**भूषणायुधलिङ्गाख्या धत्ते शक्ती; स्वमायया।।**
**तेनैव सत्यमानेन सर्वज्ञो भगवान्हरिः।**
**पातु सर्वैः स्वरूपैर्नः सदा सर्वत्र सर्वगः।।**

श्रीभगवान्, जीवात्माएँ, भौतिक शक्ति, आध्यात्मिक शक्ति तथा सम्पूर्ण सृष्टि–वे सभी व्यष्टियाँ हैं। अन्त में यह सब मिलकर परब्रह्म का निर्माण करती हैं। इसीलिए जो आत्मज्ञानी हैं, वे भिन्नता में एकता देखते हैं। ऐसे उन्नत व्यक्तियों के लिए भगवान् के शारीरिक अलंकरण, उनके नाम, उनकी प्रसिद्धि, उनके लक्षण एवं रूप तथा शास्त्रास्त्र उनकी शक्ति की अभिव्यक्तियाँ हैं। उनके समुन्नत आध्यात्मिक ज्ञान के अनुसार विभिन्न रूपों में प्रकट होने वाले सर्वज्ञ भगवान् सर्वत्र विद्यमान हैं। वे सर्वदा सभी विपदाओं से सर्वत्र हमारी रक्षा करें।

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

## विशिष्ट संरक्षक सदस्य

**श्री कृष्ण के. चिड़ीमार**
मे. रघुनाथ एक्सपोर्ट कं.
४E, पार्क प्लाजा
७१, पार्क स्ट्रीट,
कोलकाता - ७०००१६
मो : ९८३००६०६८१

**श्री घनश्यामदास गोयल**
मे. कलीका स्टील अलॉयज प्रा. लि.
सी-७-११, एडिश. एम.आई.डी.सी.
ईण्डस्ट्रीयल एरिया एम.आई.डी.सी.
जालना - ८३१२१३, महाराष्ट्र
मो : ९८२३०८८६६१

**श्री सुरेन्द्र कुमार गोयल**
मे. अग्रवाल ट्युब कं.
४११, कैलाश अपार्टमेंट
राजेश्वरी अस्पताल के नजदीक
कंकड़बाग, पटना-८०००२०, बिहार
मो : ९३३४७१७२७८

**श्री दिनेश सत्यनारायण भारुका**
मे. ओम सांईराम स्टील एण्ड अलॉयज प्रा. लि., प्लॉट नं.-एफ-१ २ एवं ३, फेज-II, एडिश. एम. आई.डी.सी., जालना - ४३१२०३ महाराष्ट्र, मो : ९८२२५५८१७३

**श्री विशाल के. अग्रवाल**
मे. भाग्यलक्ष्मी रोलिंग मिल प्रा. लि.
प्लाट नं.-६-७,जी-७, जी-७(पार्ट)
जी-८, जी-९, जी-१०/१, जी-१०/२
एडिश. एम. आई.डी.सी., फेज-II
डेरगॉव, जालना-४३१२०३,
महाराष्ट्र, मो : ९८२३०८९७३३

### संरक्षक सदस्य

**श्री मोहन लाल जैन**
सी-३८, सिटी सेन्टर,
सेक्टर-४, बोकारो स्टील सिटी
बोकारो-८२७००४, झारखंड
मो : ९९५५४४८८०/९४३११२७२८४

---

*(पृष्ठ २२ का शेषांश)*

# नई पहल हो नयी चेतना

आज जब समाज को समग्रता में देखता हूँ तो बड़ी निराशा होती है। मान-मर्यादा के लिए मर मिटने वाले मारवाड़ी समाज को कतिपय लोगों की असामाजिक गतिविधियों ने बदनाम कर रखा है। अर्थ की प्रचुरता ने अनर्थ को आमंत्रित कर दिया है। लोग छोटे-मोटे समारोहों में भी बड़े खर्च करके अपना रुतबा बढाने को बेताब हैं। बैंको के लोन, आर्थिक संस्थानों से लोन, अपने सगे-संबंधियों, परिचितों से लोन लेकर बेहिसाब खर्च ने दिवाला निकालने वालों का समूह खड़ा किया है जिन्हें अपने किये पर पछतावा तक नहीं है। ये अराजक समूह अपनी करनी से पूरे समाज की इज्ज़त तार-तार कर रहे हैं।

आज देश आर्थिक मामलों में पिछड़ रहा है। भयावह मंदी, बेलगाम महंगाई, बाज़ार में नगदी का अभाव, सरकारों (राज्य या केंद्र) के पास ठोस नीतियों का भाव, व्यापारियों में भय का संचार ऐसी वजहें हैं जिसके चलते देश के लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। चारों तरफ अफरा-तफरी का आलम है। अनिश्चित भविष्य और तनावग्रस्त वर्तमान ने सभी समाजों को चिंता में डाल रखा है।

वैश्विक महामारी कोरोना ने पूरी दुनिया को चुनौती के सम्मुखीन ला दिया है। नित नए स्वरूप में मानव समाज के अस्तित्व को चुनौती देता वायरस का यह आतंक करोड़ों जान ले चुकने के बाद भी सक्रिय है। भारत में भी दो दीर्घावधि के लॉकडाउन हो चुके हैं, तीसरे की आशंका प्रबल है। सरकार या जनता सभी किंकर्तव्यविमूढ़ हैं। आर्थिक जगत को रसातल में पहुँचा दिया है। देश भर के छोटे-मझोले उद्यमी अस्तित्व-संकट से गुजर रहे हैं। मारवाड़ी समाज इसका अपवाद नहीं है।

आज इस बात की जरूरत है कि समाज की सभी अग्रणी संस्थाएँ, समाज के अग्रणी सेवाकर्मी, सुधारक एक मंच पर एकत्रित हों और सामयिक चुनौतियों से जूझने तथा समाज की बेहतर छवि बनाने के लिए नए नियम प्रतिपादित करें।

सोशल मीडिया और लोकप्रिय माध्यमों में समाज को सुधारने वाली बातों का व्यापक प्रचार-प्रसार हो, समाज को बदनाम करने वाले लोगों पर अनुशासनात्मक कारवाई हो और अच्छे लोगों को पुरस्कृत कर आदर्श स्थापित किया जाए जिससे खत्म हो रही साख को भुलाकर पूरा समाज एक नई शूरूआत के प्रति उत्सुक दिखे।

यह कार्य बहुत आसान नहीं है लेकिन मुश्किल भी नहीं हैं। पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण से अगर इसकी शुरूआत हो तो जल्द ही इसके सकारात्मक परिणाम सामने आयेंगे।

***(लेखक अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।)***

---

**बाधाएँ वे डरावनी चीजें हैं जो आप तब देखते हैं जब अपनी दृष्टि लक्ष्य से हटा लेते हैं।**

**– हेनरी फोर्ड**

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

## आजीवन सदस्य

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्रीमती रेखा देवी**<br>त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार | **श्री प्रमोद कुमार केजरीवाल**<br>त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार | **श्रीमती दिप्ती देवी**<br>त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार | **श्री सुधीर कुमार अग्रवाल**<br>त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार | **श्रीमती चंदा देवी**<br>त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार |
| **श्रीमती सुनिता देवी**<br>त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार | **श्री पवन कुमार अग्रवाल**<br>त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार | **श्री दीपक कुमार केजरीवाल**<br>त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार | **श्रीमती चेतना केजरीवाल**<br>त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार | **श्री पंकज कुमार**<br>त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार |
| **श्री संदीप कुमार केजरीवाल**<br>त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार | **श्रीमती सोनम केजरीवाल**<br>त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार | **श्री सुरेश कुमार अग्रवाल**<br>त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार | **श्रीमती सुनिता देवी**<br>त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार | **श्री महावीर सराफ**<br>त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार |
| **श्रीमती मीना देवी**<br>त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार | **डॉ. लता खेतान**<br>शिवाजी नगर, दरभंगा, बिहार | **डॉ. राम बाबु खेतान**<br>शिवाजी नगर, दरभंगा, बिहार | **श्रीमती संगीता डोकानियाँ**<br>बड़ा बाजार, दरभंगा, बिहार | **श्री संजय केडिया**<br>गुल्लोवाड़ा, बेंतिया, बिहार |
| **श्री संजय केडिया**<br>जलपान रोड, बेंतिय, बिहार | **श्री मुरारी कुमार जगनानी**<br>लाल बाजार, बेंतिया, बिहार | **श्री नारायण कुमार अग्रवाल**<br>लाल बाजार, बेंतिया, बिहार | **श्री विष्णु जालान**<br>जनता सिनेमा चौक, बेंतिया, बिहार | **श्री कौशल मोटानी**<br>उज्जैन टोला, बेंतिया, बिहार |
| **श्री संदीप केशान**<br>छोटा रमना, बेंतिया, बिहार | **श्री सुरेश केशान**<br>शोभा बाबु चौक, बेंतिया, बिहार | **श्री अशोक अग्रवाल**<br>बेंतिया, बिहार | **श्री विनोद सर्राफ**<br>चर्च रोड, बेंतिया, बिहार | **श्री प्रदीप कुमार छापोलिया**<br>स्टेशन चौक, बेंतिया, बिहार |
| **श्री संजीब कुमार पोद्दार**<br>लाल बाजार, बेंतिया, बिहार | **श्री राजेश कुमार सिकरियाँ**<br>लाल बाजार, बेंतिया, बिहार | **श्री दिलीप कुमार केडिया**<br>अशोक राजपथ, पटना, बिहार | **श्रीमती सुमन केडिया**<br>अशोक राजपथ, पटना, बिहार | **श्री विनायक केडिया**<br>अशोक राजपथ, पटना, बिहार |
| **श्रीमती कुसुम देवी सरावगी**<br>फ्रेजर रोड, पटना, बिहार | **श्री वरुण सरावगी**<br>फ्रेजर रोड, पटना, बिहार | **श्री दिलीप कुमार अग्रवाल**<br>जमालपुर, पटना, बिहार | **श्रीमती सृष्टी सरावगी**<br>फ्रेजर रोड, पटना, बिहार | **श्रीमती पारुल चौधरी**<br>फ्रेजर रोड, पटना, बिहार |
| **श्रीमती अनुसुया चौधरी**<br>फ्रेजर रोड, पटना, बिहार | **श्री अशोक कुमार शर्मा**<br>दरियापुर गोला, पटना, बिहार | **श्री विनोद कुमार मिश्रा**<br>दरियापूर गोला, पटना, बिहार | **श्री नीरज सिंघानिया**<br>पटना, बिहार | **श्री रुपेश कुमार जोशी**<br>रामपूर रोड, पटना, बिहार |
| **श्री निर्मल शर्मा**<br>राजेन्द्र नगर रोड, पटना, बिहार | **श्री सुभाष कुमार शर्मा**<br>स्टेशन रोड, पटना, | **श्री निशांत पोद्दार**<br>पटना, बिहार | **श्री आयुष आनंद**<br>पटना, बिहार | **श्री राजीव कुमार तुलस्यान**<br>सुतापट्टी, मुजफ्फरपूर, बिहार |
| **श्री सुनील कुमार मोटानी**<br>अखाड़ाघाट, मुजफ्फरपूर, बिहार | **श्री सुनील तुलस्यान**<br>सुतापट्टी, मुजफ्फरपूर, बिहार | **श्री दीपक तुलस्यान**<br>सुतापट्टी, मुजफ्फरपूर, बिहार | **श्री सुरेश केडिया**<br>सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार | **श्री रवि कुमार केडिया**<br>सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार |
| **श्री संतोष केडिया**<br>सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार | **श्री अनिल केडिया**<br>सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार | **श्री अमन केडिया**<br>सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार | **श्री अमित कुमार केडिया**<br>सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार | **श्री आयुष कुमार केडिया**<br>सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार |
| **श्री प्रमोद कुमार केडिया**<br>सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार | **श्री मुरली केडिया**<br>सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार | **श्री रंजीत कुमार केडिया**<br>सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार | **श्री आशिष केडिया**<br>सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार | **श्री सुनिल कुमार केडिया**<br>सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार |
| **श्री दिलीप कुमार भोलाराम अग्रवाल**<br>पुरैनी, मधेपूरा, बिहार | **श्रीमती उषा शारदा**<br>सहरसा, बिहार | **श्री जीवन कुमार सुरेका**<br>सहरसा, बिहार | **श्री मनीष सुल्तानियाँ**<br>मधेपूरा, बिहार | **श्रीमती सुमन देवी सर्राफ**<br>मधेपूरा, बिहार |
| **श्री सुमित कुमार**<br>सुपौल, बिहार | **श्री सज्जन कुमार पुगलिया**<br>सुपौल, बिहार | **श्री सुभाष जैन**<br>सुपौल, बिहार | **श्रीमती बंसती देवी**<br>सुपौल, बिहार | **श्रीमती साधना देवी**<br>सुपौल, बिहार |
| **श्री सोनु कुमार अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्री आनंद कुमार अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्रीमती गुंजन अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्रीमती विद्या मोहनका**<br>सुपौल, बिहार | **श्री शरद कुमार**<br>सुपौल, बिहार |
| **श्री अशोक कुमार शर्मा**<br>सुपौल, बिहार | **श्री रमेश कुमार शर्मा**<br>सुपौल, बिहार | **श्री अरिहंत जैन**<br>सुपौल, बिहार | **श्रीमती शानु जैन**<br>सुपौल, बिहार | **श्री राकेश कुमार जैन**<br>सुपौल, बिहार |
| **श्री आशिष अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्री ओम प्रकाश अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्री अनुपम अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्री बजरंग कुमार अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार |
| **श्री पंकज कुमार अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्री मनोज कुमार अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्रीमती संगीता देवी**<br>सुपौल, बिहार | **श्री नरेश कुमार मिश्रा**<br>सुपौल, बिहार | **श्री संजय कुमार अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार |

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

| आजीवन सदस्य | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्रीमती पुष्पा अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्रीमती सुनिता अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्री कृष्णा कुमार अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्री निखिल अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्री पुरुषोत्तम प्रसाद**<br>सुपौल, बिहार |
| **श्रीमती स्वेता मोहनका**<br>सुपौल, बिहार | **श्रीमती सरोज देवी**<br>सुपौल, बिहार | **श्री संदीप कुमार मोहनका**<br>सुपौल, बिहार | **श्री कुंज बिहारी सरावगी**<br>सुपौल, बिहार | **श्रीमती सरिता देवी**<br>सुपौल, बिहार |
| **श्री सुरेश कुमार अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्री केशव प्रसाद अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्री मुकेश कुमार मोहनका**<br>सुपौल, बिहार | **श्रीमती सबिता अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्री दशरथ कुमार शर्मा**<br>सुपौल, बिहार |
| **श्री रमेश कुमार अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्री अमित कुमार अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्री बद्री प्रसाद अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्री संजय कुमार पालडीवाल**<br>एस.डी.ओ. रोड, खगड़िया, बिहार | **श्री गौरव ड्रोलिया**<br>खगड़िया, बिहार |
| **श्री पदम चंद कोठारी**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री अनिल कुमार मोटानी**<br>मील रोड, खगड़िया, बिहार | **श्री बनवारी लाल भीमसरीया**<br>सागरमल चौक, खगड़िया, बिहार | **श्री अरुण कुमार दहलान**<br>लोहा पट्टी, खगड़िया, बिहार | **श्री चंदन कुमार फोगला**<br>मील रोड, खगड़िया, बिहार |
| **श्री नीरज कुमार केडिया**<br>विश्वनाथ गंज, खगड़िया, बिहार | **डॉ. अभिषेक जैन**<br>मील रोड, खगड़िया, बिहार | **श्री समरेश जालान**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री गौरव मिश्रा**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री विरेन्द्र कुमार**<br>सेन्ट्रल बैंक रोड, खगड़िया, बिहार |
| **श्री विजय कुमार सुल्तानियाँ**<br>मुर्गीया चक, खगड़िया, बिहार | **श्री श्याम बिहारी शर्मा**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री नारायण अग्रवाल**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री रवि कुमार अग्रवाल**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री अमित कुमार केडिया**<br>खगड़िया, बिहार |
| **श्री धनमल कोठारी**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री रोहित कुमार कोठारी**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री आनंद कुमार बजाज**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री शंकट मोचन टेकरीवाल**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री राहुल कुमार**<br>खगड़िया, बिहार |
| **श्री गौरव गोयनका**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री अमित कुमार बजाज**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री संदीप कुमार मोटानी**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री जय प्रकाश जैन**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री आदित्य अग्रवाल**<br>खगड़िया, बिहार |
| **श्री पवन कुमार केडिया**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री अमित कुमार सर्राफ**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री नीतेश कुमार**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री संजय कुमार अग्रवाल**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री गोपाल तुलस्यान**<br>खगड़िया, बिहार |
| **श्री रोहण भिमसरीया**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री सौरभ बजाज**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री सचिन कुमार जगनानी**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री प्रदीप कुमार दहलान**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री रोशन कुमार तुलस्यान**<br>खगड़िया, बिहार |
| **श्री मोहित तुलस्यान**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री सज्जन बजाज**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री राहुल कुमार शर्मा**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री राज कुमार अग्रवाल**<br>खगड़िया, बिहार |
| **श्री अजीत कुमार बजाज**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री पंकज तुलस्यान**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री वैभव जैन**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री चंदन कुमार**<br>खगड़िया, बिहार | **श्रीमती ज्योति कुमारी बंका**<br>मील रोड, खगड़िया, बिहार |
| **श्री मनोज कुमार चमड़िया**<br>मेन रोड, खगड़िया, बिहार | **श्री अनिरुद्ध जालान**<br>विश्वनाथगंज, खगड़िया, बिहार | **श्री नवीन कुमार तुलस्यान**<br>विश्वनाथगंज, खगड़िया, बिहार | **श्री रोहित कुमार टेकरीवाल**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री अशोक कुमार केसान**<br>गांधीनगर, खगड़िया, बिहार |
| **श्री अमित सुल्तानियाँ**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री सुमित कुमार सुल्तानियाँ**<br>मील रोड, खगड़िया, बिहार | **श्री अर्जुन कुमार जैन**<br>वार्ड नं.-२०, खगड़िया, बिहार | **श्री विकाश कुमार खंडेलियाँ**<br>एस.डी.ओ. रोड, खगड़िया, बिहार | **श्री पवन कुमार चमड़िया**<br>लोहापट्टी, खगड़िया, बिहार |
| **श्री राज कुमार जैन**<br>राजेन्द्र चौक, खगड़िया, बिहार | **श्री आनंद कुमार अग्रवाल**<br>सागरमल चौक, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती अर्चना अग्रवाल**<br>मील रोड, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती अनिता केडिया**<br>मील रोड, खगड़िया, बिहार | **श्री अमर नाथ गोयनका**<br>विद्याधर, खगड़िया, बिहार |
| **श्री सोनु बजाज**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री नितीन तुलस्यान**<br>विश्वनाथगंज, खगड़िया, बिहार | **श्री मनोज कुमार**<br>मुर्गीया चक, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती प्रियंका बजाज**<br>गांधी मार्ग, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती इशिका जैन**<br>खगड़िया, बिहार |
| **श्रीमती रेणु पालड़ीवाल**<br>लोहापट्टी, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती संगीता देवी बाजोरिया**<br>मेन रोड, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती उर्मिला केडिया**<br>खगड़िया, बिहार | **श्रीमती नीलम केडिया**<br>खगड़िया, बिहार | **श्रीमती डॉली अग्रवाल**<br>खगड़िया, बिहार |
| **श्रीमती रेखा बजाज**<br>सागरमल चौक, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती अनिता कोठारी**<br>खगड़िया, बिहार | **श्रीमती अनिता तुलस्यान**<br>एस.डी.ओ. रोड, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती सरला बजाज**<br>मील रोड, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती राधा तुलस्यान**<br>महावीर चौक, खगड़िया, बिहार |

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

| आजीवन सदस्य | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री ज्ञान प्रकाश तुलस्यान**<br>एस.डी.ओ. रोड, खगड़िया, बिहार | **श्री प्रमोद कुमार बाजोरिया**<br>मेन रोड, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती ज्योति अग्रवाल**<br>लोहापट्टी, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती मीरा गोयनका**<br>खगड़िया, बिहार | **श्रीमती वीणा तुलस्यान**<br>मुर्गीया चक, खगड़िया, बिहार |
| **श्रीमती पूनम केडिया**<br>विश्वनाथगंज, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती मधू बजाज**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री सौरभ खेड़िया**<br>लोहापट्टी, खगड़िया, बिहार | **श्री राजेश बजाज**<br>मील रोड, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती अनिता पंसारी**<br>मील रोड, खगड़िया, बिहार |
| **श्रीमती किरण केडिया**<br>स्टेशन रोड, खगड़िया, बिहार | **श्री मनीष कुमार**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री पवन कुमार बजाज**<br>विश्वनाथगंज, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती उर्मिला हलान**<br>मील रोड, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती ममता देवी**<br>मील रोड, खगड़िया, बिहार |
| **श्रीमती कुसुम देवी बजाज**<br>मील रोड, खगड़िया, बिहार | **डॉ. रमानंदी जैन**<br>मील रोड, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती निलम केडिया**<br>स्टेशन रोड, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती सुधा तुलस्यान**<br>एस.डी.ओ. रोड, खगड़िया, बिहार | **श्रीमती प्रज्ञा ड्रोलिया**<br>एम.जी. रोड, खगड़िया, बिहार |
| **श्रीमती हेमा ड्रोलिया**<br>खगड़िया, बिहार | **श्रीमती रेखा देवी अग्रवाल**<br>एस.डी.ओ. रोड, खगड़िया, बिहार | **श्री आनंद कुमार अग्रवाल**<br>एस.डी.ओ. रोड, खगड़िया, बिहार | **डॉ. पवन कुमार अग्रवाल**<br>महिला कालेज, खगड़िया, बिहार | **श्री संतोष कुमार तुलस्यान**<br>बैंक रोड, खगड़िया, बिहार |
| **श्री शरद कुमार**<br>माल गोदाम रोड, खगड़िया, बिहार | **श्री रवि गोयनका**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री निर्मल कोठारी**<br>एस.डी.ओ. रोड, खगड़िया, बिहार | **श्री विश्वनाथ खण्डेलियाँ**<br>स्टेशन रोड, खगड़िया, बिहार | **श्री विशाल ड्रोलिया**<br>एम. जी. रोड, खगड़िया, बिहार |
| **श्री मयंक बजाज**<br>विश्वनाथगंज , खगड़िया, बिहार | **श्री विशाल जैन**<br>विश्वनाथगंज , खगड़िया, बिहार | **श्री जितेश मोटानी**<br>मील रोड, खगड़िया, बिहार | **श्री कैलाश फोगला**<br>तेघड़ा, बिहार | **श्री अंकित कुमार अग्रवाल**<br>शालमारी, बिहार |
| **श्रीमती बर्षा अग्रवाल**<br>शालमारी, बिहार | **श्री संदीप गुप्ता**<br>बेगूसराय, बिहार | **श्री अमन टिबड़ेवाल**<br>बेगूसराय, बिहार | **श्रीमती मंजू रुँगटा**<br>बेगूसराय, बिहार | **श्रीमती प्रीति मस्करा**<br>बेगूसराय, बिहार |
| **श्रीमती पूजा टिबड़ेवाल**<br>बेगूसराय, बिहार | **श्रीमती रेखा शर्मा**<br>भागलपूर, बिहार | **श्री साकेत आदित्य सी.ए.**<br>भागलपूर, बिहार | **श्री दिनेश महेशका**<br>भागलपूर, बिहार | **श्री रितेश कुमार झुनझुनवाला**<br>भागलपूर, बिहार |
| **श्री उमंग झुनझुनवाला**<br>भागलपूर, बिहार | **श्री अंकित कुमार अग्रवाल**<br>भागलपूर, बिहार | **श्री संजय कुमार जैन**<br>भागलपूर, बिहार | **श्री साकेत जैन**<br>भागलपूर, बिहार | **श्री सरस जैन**<br>भागलपूर, बिहार |
| **श्री मनोज खेमका**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री निरंजन खेमका**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री राजेश कुमार अग्रवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री प्रदीप कुमार नारनोलिया**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री संतोष कुमार**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार |
| **श्री चंदा किशोर खेतान**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री रंजीत कुमार खेतान**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री राज कुमार खेतान**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री मुरारी कुमार शर्मा**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री ऋतिक कुमार कानोड़िया**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार |
| **श्री संतोष कुमार डोकानियाँ**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री विकाश कुमार अग्रवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री निर्मल कुमार केजरीवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री अशोक कुमार केजरीवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री संजय कुमार अग्रवाल**<br>खगड़िया, बिहार |
| **श्री आकाश कुमार केजरीवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री मनोज कुमार चौधरी**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री संजीव खेमका**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री पवन कुमार अग्रवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री प्रिंस कुमार खेमका**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार |
| **श्री महेश कुमार खेमका**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री नवीन कुमार**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री सोनु सौरव खेतान**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री विकाश कुमार अग्रवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री शुभम कुमार केजरीवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार |
| **श्री नवीन कुमार जगनानी**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री विशाल कुमार नारनोलिया**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री शिव कुमार अग्रवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री अविनाश कुमार**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्रीमती शशि देवी महनसरिया**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार |
| **श्रीमती अनिता देवी गोयनका**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्रीमती सीमा देवी**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्रीमती नीतु देवी**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्रीमती सरोज देवी**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्रीमती अंकिता अग्रवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार |
| **श्रीमती शिखा ड्रोलिया**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्रीमती अनिता बगड़िया**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्रीमती निशा देवी खेतान**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्रीमती कृपा कानोड़िया**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्रीमती कृष्णा केजरीवाल**<br>खगड़िया, बिहार |
| **श्रीमती सीमा बगड़िया**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्रीमती रचना खेतान**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्रीमती रितु महनसरिया**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्रीमती सुमन देवी नारनोलिया**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री नंद कुमार चाँदगोठिया**<br>मुजफ्फरपूर, बिहार |

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

| आजीवन सदस्य | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्रीमती सरिता बंका**<br>पटना, बिहार | **श्री मयंक कुमार**<br>छत्तरपूर, बिहार | **श्रीमती रेणु चंदुका**<br>बरौनी, बिहार | **श्रीमती कंचन गोयनका**<br>बरौनी, बिहार | **श्रीमती अन्नपूर्णा रामुका**<br>बरौनी, बिहार |
| **श्रीमती श्रुति जगनानी**<br>बरौनी, बिहार | **श्री मनीष अग्रवाल**<br>बरौनी, बिहार | **श्रीमती नीतु देवी**<br>बरौनी, बिहार | **श्रीमती शिवांगी रामुका**<br>बरौनी, बिहार | **श्रीमती सिमरन रामुका**<br>बरौनी, बिहार |
| **श्री दुर्गेश कुमार**<br>बरौनी, बिहार | **श्री अभिलाष कुमार**<br>बरौनी, बिहार | **श्री अरुण कुमार मुरारका**<br>बरौनी, बिहार | **श्री पंकज कुमार शर्मा**<br>बरौनी, बिहार | **श्री वंशीधर अग्रवाल**<br>बरौनी, बिहार |
| **श्री अभिषेक कुमार**<br>बरौनी, बिहार | **श्री गौरव कुमार मुरारका**<br>बरौनी, बिहार | **श्री दीपक कुमार जगनानी**<br>बरौनी, बिहार | **श्री प्रमोद कुमार रामुका**<br>बरौनी, बिहार | **श्री अर्जुन डोकानियाँ**<br>बरौनी, बिहार |
| **श्री सीताराम शर्मा**<br>बरौनी, बिहार | **श्री संतोष मुरारका**<br>बरौनी, बिहार | **श्री दिलीप कुमार मुरारका**<br>एस.डी.ओ. रोड, खगड़िया, बिहार | **श्री श्रवण कुमार दुदानी**<br>बरौनी, बिहार | **श्री जगदीश जगनानी**<br>बरौनी, बिहार |
| **श्री पवन चंदुका**<br>बरौनी, बिहार | **श्रीमती सोनम रामुका**<br>बरौनी, बिहार | **श्री संजीव कुमार बंसल**<br>समस्तीपूर, बिहार | **श्री प्रकाश भरतिया**<br>समस्तीपूर, बिहार | **श्री अनुप कुमार अग्रवाल**<br>हरिसिद्धी, बिहार |
| **श्री संजीत कुमार**<br>हरिसिद्धी, बिहार | **श्री संदीप कुमार गुप्ता**<br>बेगूसराय, बिहार | **श्री आलोक कुमार केजरीवाल**<br>मुजफ्फरपूर, बिहार | **श्री नीरज कुमार अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार | **श्रीमती नीलम अग्रवाल**<br>सुपौल, बिहार |
| **श्रीमती नीतु ड्रोलिया**<br>पटना, बिहार | **श्रीमती अंजली ड्रोलिया**<br>पटना, बिहार | **श्रीमती रेखा कसेरा**<br>पटना, बिहार | **श्री संजय राजा प्रसाद बुबना**<br>पुपड़ी, बिहार | **श्री सुनिल राजा प्रसाद बुबना**<br>पुपड़ी, बिहार |
| **श्री वायु झुनझुनवाला**<br>पटना, बिहार | **श्री पवन कुमार**<br>पटना, बिहार | **श्री समीर झुनझुनवाला**<br>पटना, बिहार | **श्री मुकेश अजमेरा**<br>किशनगंज, बिहार | **श्री संजय कुमार चंदुवाला**<br>किशनगंज, बिहार |
| **श्री संतोष कुमार काला**<br>किशनगंज, बिहार | **श्री नवरतन मल बोथरा**<br>किशनगंज, बिहार | **श्री पोखराज बगरेचा**<br>किशनगंज, बिहार | **श्री मोहन लाल लुणिया**<br>किशनगंज, बिहार | **श्री राजेश श्याम सुखा**<br>किशनगंज, बिहार |
| **श्री अनिल कुमार लुणिया**<br>किशनगंज, बिहार | **श्री देवेन्द्र कुमार लुणिया**<br>किशनगंज, बिहार | **श्री सुनिल कुमार लुणिया**<br>किशनगंज, बिहार | **श्री पियुष आनंद**<br>पटना, बिहार | **श्री अरुण कुमार सराफ**<br>समस्तीपुर, बिहार |
| **श्री सुभाष कुमार शर्मा**<br>पटना, बिहार | **श्री निर्मल शर्मा**<br>पटना, बिहार | **श्रीमती रचना खेतान**<br>पटना, बिहार | **श्री शुभम अग्रवाल**<br>पटना, बिहार | **श्री राहुल गोयल**<br>पटना, बिहार |
| **श्री मोहित कुमार**<br>पटना, बिहार | **श्री सुनिल कुमार गुप्ता**<br>पटना, बिहार | **श्री विवेक कुमार शर्मा**<br>पटना, बिहार | **श्री सुरेश अग्रवाल**<br>अयोध्यागंज, कटिहार, बिहार | **श्री श्रवण कुमार अग्रवाल**<br>अयोध्यागंज, कटिहार, बिहार |
| **श्री काशीनाथ चिरानियाँ**<br>अयोध्यागंज, कटिहार, बिहार | **श्री आयुष अग्रवाल**<br>अयोध्यागंज, कटिहार, बिहार | **श्री राजेश चिरानियाँ**<br>अयोध्यागंज, कटिहार, बिहार | **श्री भानु अग्रवाल**<br>अयोध्यागंज, कटिहार, बिहार | **श्री संतोष गोयल**<br>जुम्मन चौक, फरबिसगंज, बिहार |
| **श्री पवन कुमार अग्रवाल**<br>अस्पताल रोड, फरबिसगंज, बिहार | **श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल**<br>पोस्ट आफिस रोड, फरबिसगंज, बिहार | **श्री आनंद अग्रवाल**<br>अस्पताल रोड, फरबिसगंज, बिहार | **श्री दिलीप अग्रवाल (फोगला)**<br>फरबिसगंज, बिहार | **श्री गौरव नाहटा**<br>सदर रोड, फरबिसगंज, बिहार |
| **श्री मनोज कुमार अग्रवाल**<br>डी.डी. रोड, फरबिसगंज, बिहार | **श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल**<br>अस्पताल रोड, फरबिसगंज, बिहार | **श्री महेश कुमार अग्रवाल**<br>सदर रोड, फरबिसगंज, बिहार | **श्री नरेन्द्र कुमार रखेचा**<br>जामा मस्जिद रोड, फरबिसगंज, बिहार | **श्री पवन कुमार अग्रवाल**<br>पोस्ट आफिस चौक, फरबिसगंज, बिहार |
| **श्री भीमसेन नाहटा**<br>मस्जिद रोड, फरबिसगंज, बिहार | **श्री राकेश नाहटा**<br>फरबिसगंज, बिहार | **श्री देवेन्द्र कुमार नाहटा**<br>फरबिसगंज, बिहार | **श्री कस्तुर चंद सेठिया**<br>पुस्तकालय रोड, फरबिसगंज, बिहार | **श्री मदन लाल डागा**<br>पुस्तकालय रोड, फरबिसगंज, बिहार |
| **श्री बिनोद सेठिया**<br>पुस्तकालय रोड, फरबिसगंज, बिहार | **श्री प्रमोद कुमार दफ्तरी**<br>सदर रोड, फरबिसगंज, बिहार | **श्री अशोक कुमार अग्रवाल**<br>सदर रोड, फरबिसगंज, बिहार | **श्री गणेश खत्री**<br>सदर रोड, फरबिसगंज, बिहार | **श्री ओम प्रकाश शर्मा**<br>गांधी चौक, फरबिसगंज, बिहार |
| **श्री मनोज कुमार जैन**<br>गोलछा पथ, फरबिसगंज, बिहार | **श्री प्रदीप राठी**<br>फरबिसगंज, बिहार | **श्री दिलीप कुमार गोल्छा**<br>फरबिसगंज, बिहार | **श्री ललित कुमार सिपानी**<br>पुस्तकालय रोड, फरबिसगंज, बिहार | **श्री आलोक दुग्गड़**<br>फरबिसगंज, बिहार |

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

| आजीवन सदस्य | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री देवेश रखेचा**<br>मस्जिद रोड, फरबिसगंज, बिहार | **श्री इंद्र चंद पुगलिया**<br>फरबिसगंज, बिहार | **श्री नीरज जैन**<br>चौपाटी रोड,फरबिसगंज, बिहार | **श्री राज कुमार लढ्ढ़ा**<br>फरबिसगंज, बिहार | **श्री दिलीप कुमार खेमानी**<br>प्रेस रोड, फरबिसगंज, बिहार |
| **श्री विकाश कुमार पारसरामपूरियां**<br>कोर्ट बाजार, सीतामढ़ी, बिहार | **श्री लक्ष्मीकांत शर्मा**<br>मेन रोड, सीतामढ़ी, बिहार | **श्री संजय कुमार हिसारिया**<br>विजय शंकर चौक, सीतामढ़ी, बिहार | **श्री दिलीप ढ़ाँढ़नियाँ**<br>कोर्ट बाजार, सीतामढ़ी, बिहार | **श्रीमती सरोज तोदी**<br>पटना, बिहार |
| **श्री अरुनिम सुरेका**<br>पटना, बिहार | **श्री अनुराग रुँगटा**<br>पटना, बिहार | **श्री आलोक मित्तल**<br>पटना, बिहार | **श्री सौरभ कुमार सिंघानियाँ**<br>पटना, बिहार | **श्री शुभम अग्रवाल**<br>पटना, बिहार |
| **श्री राहुल गोयल**<br>पटना, बिहार | **श्री मोहित कुमार**<br>पटना, बिहार | **श्री सुनील कुमार गुप्ता**<br>पटना, बिहार | **श्री विवेक कुमार शर्मा**<br>पटना, बिहार | **श्री आयुष कुमार भालोटिया**<br>पटना, बिहार |
| **श्री गौरव अग्रवाल**<br>पटना, बिहार | **श्री विकाश कुमार जैन**<br>पटना, बिहार | **श्री रुपेश अग्रवाल**<br>पटना, बिहार | **श्री अमित कुमार भरतिया**<br>बैंक रोड, पटना, बिहार | **श्री निर्मल शर्मा**<br>राजेन्द्र नगर रोड, पटना, बिहार |
| **श्री राहुल कुमार अग्रवाल**<br>पटना, बिहार | **श्री रतन खिरवाल**<br>पटना, बिहार | **श्रीमती रचना खेतान**<br>पटना, बिहार | **श्री निशांत कुमार पोद्दार**<br>एक्जीबिशन रोड, पटना, बिहार | **श्री कृष्ण कुमार चौधरी**<br>पटना, बिहार |
| **श्री गौरव कुमार अग्रवाल**<br>पटना, बिहार | **श्री राज कुमार अग्रवाल**<br>बोरिंग रोड, पटना, बिहार | **श्रीमती मधूलिका अग्रवाल**<br>बोरिंग रोड, पटना, बिहार | **श्री राजेश अग्रवाल**<br>अयोध्यागंज, हरिद्वार, बिहार | **श्री विजय कुमार अग्रवाल**<br>अयोध्यागंज, हरिद्वार, बिहार |
| **श्री विश्वम्भर सराफ**<br>गोला रोड, मुज्जफरपूर, बिहार | **श्री बजरंग लाल अग्रवाल**<br>सुतापट्टी, मुज्जफरपूर, बिहार | **श्री आयुष बंका**<br>सुतापट्टी, मुज्जफरपूर, बिहार | **श्री गोविन्द प्रसाद**<br>हसनपूर, समस्तीपूर, बिहार | **श्री आलोक कुमार गोयनका**<br>मारवाड़ी बाजार, समस्तीपूर, बिहार |
| **श्री प्रमोद कुमार भूदौलिया**<br>मारवाड़ी बाजार, समस्तीपूर, बिहार | **श्री मनीष अग्रवाल**<br>आर्य समाज रोड, समस्तीपूर, बिहार | **श्री महेन्द्र केडिया**<br>गोला रोड, समस्तीपूर, बिहार | **श्री मनोज काबरा**<br>स्टेशन रोड, समस्तीपूर, बिहार | **श्री दीपक कुमार मोदी**<br>बसंत मार्केट, समस्तीपूर, बिहार |
| **श्री पारस जैन**<br>समस्तीपूर, बिहार | **श्री रवि कुमार सिंघानियाँ**<br>समस्तीपूर, बिहार | **श्री दिलीप कुमार तुलस्यान**<br>वीरगंज, बेगूसराय, बिहार | **श्री संतोष कुमार मोदी**<br>पटनासिटी, बिहार | **श्री राहुल कसेरा**<br>पटनासिटी, बिहार |
| **श्री आदित्य तिवाड़ी**<br>पटनासिटी, बिहार | **श्री हेमन्त शर्मा**<br>पटनासिटी, बिहार | **श्री राजेश कुमार पलसानियाँ**<br>पटनासिटी, बिहार | **श्री पंकज लोयलका**<br>पटनासिटी, बिहार | **श्री रवि ड्रोलिया**<br>पटनासिटी, बिहार |
| **श्री रविन्द्र कसेरा**<br>पटनासिटी, बिहार | **श्री रविन्द्र कुमार छापड़िया**<br>वीथान, बिहार | **श्री श्याम डालमिया**<br>मूज, बिहार | **श्री संजय अग्रवाल**<br>मूज, बिहार | **श्री गौतम कुमार**<br>सिन्हा लाइब्रेरी रोड, पटना, बिहार |
| **श्रीमती क्रिती बंका**<br>सिन्हा लाइब्रेरी रोड, पटना, बिहार | **श्रीमती दिप्ती लाखोटिया**<br>रोसड़, समस्तीपूर, बिहार | **श्री जीवन कुमार सुरेका**<br>गंगजाला, सदरसा, बिहार | **श्री सुनिल कुमार केडिया**<br>सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार | **श्री रवि कुमार केडिया**<br>सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार |
| **श्री संतोष केडिया**<br>सोनवर्षा राज, सहरसा, बिहार | **श्रीमती उषा शारदा**<br>गांधी पथ चौक, बिहार | **श्री लक्ष्मण टिकमानी**<br>कुम्हार, पटना, बिहार | **श्री विष्णु मस्करा**<br>मेन रोड, खेगड़िया, बिहार | **श्री राम किशन केशान**<br>बैंक रोड, खगड़िया, बिहार |
| **श्री रौशन लाल अग्रवाल**<br>नागा रोड, खगड़िया, बिहार | **श्री राज किशोर अग्रवाल**<br>अस्पताल रोड, किशनगंज, बिहार | **श्रीमती सुनिता चौधरी**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री मनोज कुमार अग्रवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री महेश कुमार केजरीवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार |
| **श्री रतन कुमार केजरीवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री मनीष कुमार मित्तल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री श्रवण कुमार मस्करा**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री आशिष कुमार गोयनका**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री अशोक कुमार नारनोलीया**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार |
| **श्री शंकर कुमार गोयनका**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री सज्जन कुमार मस्करा**<br>चौसम, खगड़िया, बिहार | **श्री कृष्णा कुमार मस्करा**<br>चौसम, खगड़िया, बिहार | **श्री सुभाष कुमार अग्रवाल**<br>बेलदौर, खगड़िया, बिहार | **श्री अशोक कुमार अग्रवाल**<br>बेलदौर, खगड़िया, बिहार |
| **श्री सुभाष कुमार अग्रवाल**<br>बेलदौर, खगड़िया, बिहार | **श्री बिहारी लाल अग्रवाल**<br>बेलदौर, खगड़िया, बिहार | **श्री ओम प्रकाश अग्रवाल**<br>बेलदौर, खगड़िया, बिहार | **श्री ओम प्रकाश अग्रवाल**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री गोपाल टेकरीवाल**<br>जमालपूर, खगड़िया, बिहार |
| **श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री कृष्णा टेकरीवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री संजीव केजरीवाल**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री मनीष कुमार**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री अमित कुमार केजरीवाल**<br>खगड़िया, बिहार |

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

| आजीवन सदस्य | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री विवेक कुमार केजरीवाल**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री आशिष कुमार केजरीवाल**<br>खगड़िया, बिहार | **श्रीमती प्रीति हिसारीया**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री मनोज कुमार बाजोरिया**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री अशोक कुमार बाजोरिया**<br>खगड़िया, बिहार |
| **श्री अजय खेतान**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल**<br>मदैया, खगड़िया, बिहार | **श्री पंकज कुमार**<br>खगड़िया, बिहार | **श्री जय प्रकाश अग्रवाल**<br>मदैया, जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री प्रशांत कुमार**<br>मदैया, जमालपूर गोगरी, बिहार |
| **श्री राजेश कुमार गोयनका**<br>मेन रोड, जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री शम्भु कुमार अग्रवाल**<br>मदैया, जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री रविन्द्र कुमार अग्रवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री संजय कुमार अग्रवाल**<br>मदैया, जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री अशोक कुमार अग्रवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार |
| **श्री दीपक कुमार केजरीवाल**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री वंशीधर राम**<br>मदैया, जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री अभिषेक कुमार चौधरी**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्रीमती पूनम चौधरी**<br>जमालपूर गोगरी, बिहार | **श्री सुमन प्रकाश सरावगी**<br>आटोनगर, मिंडी, विशाखापट्नम, आन्ध्रप्रदेश |
| **श्री कन्हैयालाल पारख**<br>विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री महेश कुमार शर्मा**<br>अलीपूरम जं., विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री राजेन्द्र कुमार बरदिया**<br>आर.आर.एम.आर. रोड<br>विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री सुबोध कुमार रखेचा**<br>श्रीपूरम, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री गंगा प्रसाद शर्मा**<br>महारानीपेटा, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश |
| **श्री पवन कुमार कंसरिया**<br>आटोनगर, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री झब्बरमल जैन**<br>विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री संजय कुमार गोयल**<br>मोर्या एनेक्स, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री जगदीश चन्द्र प्रजापती**<br>अल्लीपूरम, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री संतोष कुमार बुचा**<br>मधूरवाड़ा, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश |
| **श्री बिजेन्द्र कुमार गुप्ता**<br>पेद्दा वाल्टेयर, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री बिजय कुमार अग्रवाल**<br>महारानीपेटा, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री शिव कुमार चौधरी**<br>अल्लीपूरम, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री कमल कुमार बैद**<br>इसुकाथोटा, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री कमल किशोर मूँधड़ा**<br>विद्यानगर, माधवधारा, आन्ध्र प्रदेश |
| **श्री प्रदीप कुमार बियाणी**<br>जेल रोड, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री वेणु गोपाल असोपा**<br>नवल बेस, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री सुशील कुमार खेतान**<br>सुर्याबाग, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री महेन्द्र टाटेड**<br>बुबादड़ा रोड, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री राकेश शर्मा**<br>टी.पी.टी. कालोनी,<br>विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश |
| **श्री कन्हैया लाल नाहटा**<br>वाल्टेयर अपलेन्ड्स,<br>विशाखापट्नम, ओन्ध्र प्रदेश | **श्री किशोर कुमार अग्रवाल**<br>शांतीपूरम, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री श्रेयांश नाहटा**<br>प्रकाशराओपेटा,<br>विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री विजय कुमार अग्रवाल**<br>सीतम्माधारा, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री संजय अग्रवाल**<br>बुवादरा रोड, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश |
| **श्री प्रमोद कुमार नाहटा**<br>सीतमपेटा, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री नरेन्द्र कुमार भंसाली**<br>रेलवे न्यु कालोनी,<br>विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री शंकर लाल शामी**<br>श्री रामनगर, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री बाबूलाल पोद्दार**<br>अमदलवलसा, श्रीकाकुल्लम,<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री एस. मनोज गुप्ता**<br>वाई. आर. पालम रोड,<br>अरूपती, आन्ध्र प्रदेश |
| **श्री गिरीधारीलाल अग्रवाल**<br>अमरावती लेन,<br>विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री सुमित कुमार बैद**<br>सुर्याबाग, विशाखापट्नम, आन्ध्र प्रदेश | **श्री तेजराज सोलंकी**<br>रेग रोड, विजयवाडा,<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री दिलीप कुमार चौहान**<br>आर.आर. अप्पाराव स्ट्रीट,<br>विजयवाड़ा, | **श्री आश्रम देवासी**<br>रामगोपाल स्ट्रीट,<br>विजयवाड़ा, आन्ध्र प्रदेश |
| **श्री ओम प्रकाश अग्रवाल**<br>कुंदलवाड़ी स्ट्रीट,<br>विजयवाड़ा, आन्ध्र प्रदेश | **श्री अजाराम देवासी**<br>ईस्लामपेट, विजयवाड़ा,<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री रूपसिंह राज पुरोहित**<br>तिरुपती, चितुर, आन्ध्र प्रदेश | **श्री मनोज कुमार झँवर**<br>तिरुपती, चितुर, आन्ध्र प्रदेश | **श्री पी. प्रभात सिंह पुरोहित**<br>बाजार स्ट्रीट, रेनीघुंटा, आन्ध्र प्रदेश |
| **श्री आर. जगदीश चिपा**<br>ओल्ड चेक पोस्ट, रेनीघुंटा, आन्ध्र प्रदेश | **श्री पी. श्यामचंद गहलोत**<br>बाजार स्ट्रीट, रेनीघुंटा, आन्ध्र प्रदेश | **श्री पी. नेमीचंद गहलोत**<br>पोस्ट आफिस रोड,<br>रेनीघूंटा, आन्ध्र प्रदेश | **श्री आर नरेन्द्र राठौड़**<br>बाजार स्ट्रीट, रेनीघुंटा, आन्ध्र प्रदेश | **श्री सी. रामगोपाल चिपा**<br>बाजार स्ट्रीट, रेनीघुंटा, आन्ध्र प्रदेश |
| **श्री बी. सुरेश जैन**<br>तिरुपती, आन्ध्र प्रदेश | **श्री रूपा राम देवासी**<br>तिरुपती, चितुर, आन्ध्र प्रदेश | **श्री सुरेश कुमार अग्रवाल**<br>रावागुनेरियाँ, आन्ध्र प्रदेश | **श्री गणपतसिंह राजपुरोहित**<br>सरोजनी देवी रोड, तिरुपती,<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री एन. पवन चिपा**<br>तिरुपती, आन्ध्र प्रदेश |
| **श्री जयसिंह पुरोहित**<br>बाजार स्ट्रीट, रेनघुंटा, आन्ध्र प्रदेश | **श्री विकाश रोका**<br>पोस्ट आफिस स्ट्रीट, रेनीघुंटा,<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री के. नवीन कुमार जैन**<br>पोस्ट आफिस स्ट्रीट, रेनीघुंटा,<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री अनिल कुमार गोंड**<br>बैंक इम्पलाई कालोनी,<br>तिरुपती, आन्ध्र प्रदेश | **श्री डी. राम. किशोर पारीक**<br>रेनीघुंटा रोड, त्रिचनुर,<br>आन्ध्र प्रदेश |
| **श्री बी. रवि कुमार गोयल**<br>रेडियंड कालोनी, तिरुपती,<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री जगदीश देवासी**<br>के. टी. रोड, तिरुपती,<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री शैलेन्द्र मिश्रा**<br>रेलवे कालोनी<br>तिरुपती, आन्ध्र प्रदेश | **श्री बी. मदनलाल**<br>रेलवे कालोनी, तिरुपती,<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री सुर्य प्रकाश**<br>एम.आर. पल्ली, तिरुपती,<br>आन्ध्र प्रदेश |
| **श्री संजय अग्रवाल**<br>मार्केट रोड, श्री काकुलम,<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री श्याम सुन्दर लिखमानीयाँ**<br>पोट्टी स्वामी स्ट्रीट,<br>विजयवाड़ा, आन्ध्र प्रदेश | **श्री रमेशचन्द अग्रवाल**<br>भाउनीपूरम, विजयवाड़ा,<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री अनिल कुमार गोयल**<br>विधाधरपूरम, विजयवाड़ा,<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री द्वारका प्रसाद अग्रवाल**<br>ललिता नगर, भाउनीपूरम,<br>विजयवाड़ा, आन्ध्र प्रदेश |
| **श्री विजय अग्रवाल**<br>दुर्गीवाड़ी स्ट्रीट, विजयपाड़ा,<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री राज कुमार सिंघल**<br>भवानीपूरम, विजयवाड़ा,<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री मदन गोपाल पित्ती**<br>भावनारायण स्ट्रीट,<br>विजयवाड़ा, आन्ध्र प्रदेश | **डॉ. रसिक सांधवी**<br>एम.जी. रोड, विजयवाड़ा<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री रतनलाल चौधरी**<br>गोपाल कृष्ण स्ट्रीट,<br>विजयवाड़ा, आन्ध्र प्रदेश |
| **श्री मिश्रीमल राजपुरोहित**<br>एम.जी. रोड, विजयवाड़ा<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री महेन्द्र कुमार गोयल**<br>पोट्टीस्वामी स्ट्रीट, विजयवाड़ा<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री श्याम सुन्दर चौधरी**<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री पवन कुमार अग्रवाल**<br>आन्ध्र प्रदेश | **श्री विजय कुमार पोद्दार**<br>आन्ध्र प्रदेश |

# RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

**RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL)** is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

**Regd. & Corporate Office:**

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

**Overseas Office at:**

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

**Plants at:**

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 30th September 2021
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com